ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज

सच्ची खबर सबसे पहले

आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -08 | दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 23 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2025 (प्रत्येक गुरुवार) | पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में कहा नगर निगम अंबिकापुर के प्लास्टिक मुक्त संकल्प से बदली शहर की तस्वीर

प्लास्टिक कचरे के बदले भोजन देने वाली अनोखी पहल 'गार्बेज कैफे' को देशभर में मिली पहचान

'मन की बात' में छत्तीसगढ़ के नवाचारों और माओवाद उन्मूलन के संकल्प का उल्लेख प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात : मुख्यमंत्री साय

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित इलाके में देशी श्वान की उपलब्धि का किया जिक्र ङ्क विस्फोटक का पता लगाकर की जवानों की सुरक्षा

रायपुर। मन की बात' कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के नवाचारों और माओवाद उन्मूलन के संकल्प का उल्लेख होना प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा अंबिकापुर के 'गार्बेज कैफे' और भारतीय नस्ल के श्वानों की उपलब्धि का विशेष उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इसे पूरे प्रदेश के लिए सम्मान बताया। मुख्यमंत्री ने आज राजधानी रायपुर के शांति नगर में 'मन की बात' के 127वें संस्करण का श्रवण किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छठ पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'मन की बात' देशभर में हो रहे नवाचारी, प्रेरणादायी और जनहितकारी कार्यों को जोड़ने वाला एक विशेष मंच है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वालों प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान दिलाता है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ का उल्लेख होना प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अंबिकापुर नगर निगम की अनूठी पहल 'गार्बेज कैफे' की सराहना की, जिसने प्लास्टिक मुक्त शहर की दिशा में एक मिसाल कायम की है। यहाँ प्लास्टिक कचरा देने वालों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है — यह पहल स्वच्छता, पुनर्चक्रण और सामाजिक संवेदना का अद्भुत उदाहरण बन चुकी है।अम्बिकापुर में शहर से प्लास्टिक कचरा साफकरने के लिए एक अनोखी पहल की गई है। अम्बिकापुर में गार्बेज कैफे चलाए जा रहे हैं।ये ऐसे कैफे हैं, जहाँ प्लास्टिक कचरा लेकर जाने पर भरपेट खाना खिलाया जाता है। अगर कोई व्यक्ति एक किलो प्लास्टिक लेकर जाए उसे दोपहर या रात का खाना मिलता है और कोई आधा किलो प्लास्टिक ले जाए तो नाश्ता मिल जाता है। ये कैफे अम्बिकापुर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन चलाता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने त्योहारों की बढ़ी रौनक, सामाजिक एकता के प्रतीक छठ पर्व और नए आत्मविश्वास से आगे बढ़ते भारत की भावना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि माओवादी गतिविधियों के सिमटते प्रभाव पर गर्व का अनुभव होता है। डबल इंजन की सरकार के मजबूत संकल्प से देश में शांति और सुरक्षा की दिशा में उल्लेखनीय परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से अब मूलभूत सुविधाएं सुदूर गाँवों तक पहुँच रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया है। इस बार उन इलाकों में भी खुशियों के दीप जले हैं, जहाँ कभी माओवादी आतंक का अंधेरा छाया रहता था। उन्होंने कहा कि लोग उस माओवादी आतंक का जड़ से खात्मा चाहते हैं जिसने उनके बच्चों के भविष्य को संकट में डाल दिया था।

श्री साय ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने सुरक्षा एजेंसियों में भारतीय नस्ल के श्वानों को शामिल किए जाने के निर्णय की भी सराहना की। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित क्षेत्र में एक देशी श्वान ने 8 किलो विस्फोटक का पता लगाकर जवानों की जान बचाई। यह सिद्ध करता है कि भारतीय नस्ल के श्वान अधिक अनुकूल, दक्ष और विश्वसनीय हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रकृति संरक्षण पर भी विशेष जोर देते हुए सभी नागरिकों से पेड़ लगाने का आग्रह किया और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय नवाचारों को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर इसे उत्सव के रूप में मनाने का आह्वान किया।

कूटनीति का नया टूल बना गाय का गोबर, जर्मन राजदूत ने भारत की पहल को सराहा, तस्वीरें कीं साझा

नई दिल्ली । जर्मन राजदूत डॉ. फिलिप एकरमैन ने आंध्र प्रदेश में प्राकृतिक खेती की एक अनोखी पहल पर अनुभव साझा किया। उन्होंने इसे 'कूटनीति में आज का टूल' बताते हुए सराहना की। फिलिप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'जर्मन विकास बैंक चस्न्ङ्ख ने स्थानीय महिलाओं को गोबर और गोमूत्र का इस्तेमाल कर मिट्टी को उर्वर बनाने और पौधों की सेहत सुधारने में सहायता मुहैया कराई।' राजदूत ने महिलाओं की ओर से गोबर मिश्रण तैयार करने की तस्वीरें भी साझा कीं, जिसमें पारंपरिक साड़ी पहने महिलाएं जमीन पर बैठकर विभिन्न सामग्रियों को मिलाती नजर आ रही हैं। उन्होंने इसे प्रभावशाली बताते हुए कहा कि

गोबर और गोमूत्र के ऐसे उपयोग देखकर वे चकित हैं।

यह पहल आंध्र प्रदेश में महिलाओं को सशक्त बनाने और पर्यावरण-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने का हिस्सा है, जो सदियों पुरानी भारतीय परंपराओं पर आधारित है। जर्मन सहायता से महिलाएं प्राकृतिक उर्वरक तैयार कर रही हैं, जो रासायनिक खादों का विकल्प प्रदान करता है। राजदूत की इस पोस्ट पर इंटरनेट यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। इसमें कुछ ने इसे सदियों पुरानी भारतीय परंपरा बताया, जबकि अन्य ने गायों की सुरक्षा और पूंजीवाद से जोड़कर टिप्पणियां कीं। यह पहल भारत-जर्मनी संबंधों में विकास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की मजबूती को दर्शाती है।

प्राकृतिक खेती पर जोर देने की जरूरत

बता दें कि प्राकृतिक खेती को जैविक खेती या जीरो-बजट खेती के रूप में भी जाना जाता है। यह एक ऐसी कृषि पद्धति है जो रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और कृत्रिम संसाधनों के इस्तेमाल के बिना प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर खेती करने पर जोर देती है। यह तरीका मिट्टी की उर्वरता, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देता है। भारत में प्राकृतिक खेती को सुभाष पालेकर जैसे कृषि विशेषज्ञों ने लोकप्रिय बनाया है। यह आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर अपनाई जा रही है, जिसे पूरे देश में फैलाने की जरूरत है।

तीनों सेनाओं को मिलेंगे घातक हथियार; ?79000 करोड़ की मंजूरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सशस्त्र बलों को और अधिक घातक बनाने के उद्देश्य से 79000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी प्रदान की है। इस धनराशि का उपयोग तकनीक और आधुनिक हथियारों के विकास एवं अधिग्रहण में किया जाएगा, जिससे हमारे जवान और सशक्त हो सकेंगे। इन परियोजनाओं के तहत नाग मिसाइलों की खरीद सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स का निर्माण होगा।

भारत ने दिखाई ऑपरेशन सिंदूर से समुद्री ताकत, राजनाथ सिंह ने बताया कैसे नौसेना ने पाकिस्तानी युद्धपोतों को रोका

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नौसेना की तैयारियों, पेशेवर क्षमता और ताकत की सराहना करते हुए गुरुवार को खुलासा करते हुए कहा कि भारतीय नौसेना के अपने दम-खम पर पाकिस्तानी नौसेना के युद्धपोतों को उसके तटीय क्षेत्रों से आगे नहीं बढ़ने दिया। सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और क्षमता का प्रतीक बताते हुए जोर देकर कहा कि यह दुनिया के लिए संदेश है कि भारत किसी भी तरह की चुनौती का जवाब देने के लिए हमेशा तैयार है।

रक्षा मंत्री ने नौसेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान दुनिया ने नौसेना की संचालन तत्परता, पेशेवर क्षमता और ताकत देखी। उन्होंने पाकिस्तान के युद्धपोतों को बंदरगाह या उसके तट के पास ही रहने के लिए मजबूर करने वाली प्रतिरोधक स्थिति बनाने के लिए नौसेना की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिन्द महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारतीय नौसेना की उपस्थिति 'मित्र देशों के लिए राहत' और 'क्षेत्र को अस्थिर करने की कोशिश करने वालों के लिए बेचैनी' का सबब है। राजनाथ सिंह ने कहा, आईओआर समकालीन भू-राजनीति का केंद्र बन गया है। यह अब निष्क्रिय नहीं रहा, यह प्रतिस्पर्धा और सहयोग का क्षेत्र बन गया है। भारतीय नौसेना ने अपनी बहुआयामी क्षमताओं से इस क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका निभाई है। पिछले छह महीनों में भारतीय युद्धपोतों, पनडुब्बियों और नौसेना के विमानों को अभूतपूर्व पैमाने पर तैनात किया गया है।

किसान हैं विकसित भारत की रीढ़, तिलहन उत्पादन से बढ़ेगी आत्मनिर्भरता' – मंत्री टंक राम वर्मा

रजत जयंती पर तिलहन कृषक मेला सह सम्मेलन का आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सारंगढ़ कृषि उपज मंडी प्रांगण में ''तिलहन कृषक मेला सह सम्मेलन'' का आयोजन किया गया। नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल के अंतर्गत कृषि कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्व, आपदा प्रबंधन, पुनर्वास एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा शामिल हुए।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य पर अग्रसर हैं। इस दिशा में दलहन-तिलहन का अधिक उत्पादन देश को खाद्य तेल के आयात से मुक्ति दिलाएगा और आर्थिक आत्मनिर्भरता मजबूत करेगा।

इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी एवं मत्स्य विभाग द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन करते हुए हितग्राहियों, महिला स्व-सहायता समूहों और विभागीय अधिकारियों से उत्पादों एवं तकनीकों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को नई कृषि तकनीकें अपनाने, मृदा परीक्षण शिविरों में भाग लेने तथा कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि सारंगढ़ क्षेत्र की मिट्टी तिलहन उत्पादन के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है। तिलहन नगदी फसल है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार किसानों के लिए घोषित अधिकांश वादों को पूरा कर चुकी है, जिनमें भूमिहीन कृषकों को 10 हजार रुपये की सहायता राशि एक प्रमुख उपलब्धि है। कार्यक्रम में जांजगीर-चांपा सांसद श्री कमलेश जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय भूषण पांडेय एवं कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी किसानों को संबोधित किया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों और हितग्राहियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री आंजनेय वार्ष्णेय, अपर कलेक्टर श्री प्रकाश सर्वे, पूर्व विधायक श्रीमती केराबाई मनहर तथा कृषि, मत्स्य, उद्यानिकी एवं पशुधन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रकृति, श्रद्धा और अनुशासन का एक अनुपम संगम है छठ महापर्व - मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, छठ महापर्व प्रकृति, श्रद्धा और अनुशासन का एक अनुपम संगम है । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सूर्य उपासना और लोक आस्था के महापर्व छठ की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि सभी लोग स्वस्थ, सुख और समृद्धि का जीवन पाएं और यह महान परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी जारी रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा, आप सभी पर छठी माता की कृपा बनी रहे। परिवार के लिए कठिन व्रत रखने वाली माताओं और बहनों को मेरी तरफसे विशेष मंगलकामनाएं। जय छठी माता। उन्होंने कहा, छठ महापर्व प्रकृति, श्रद्धा और अनुशासन का एक अनुपम संगम है। सूर्य उपासना के माध्यम से यह हमें जीवन में प्रकाश, ऊर्जा और संतुलन का संदेश देता है। यह पर्व सिर्फ पूजा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। छठी मइया की कृपा से व्रती अपने संकल्प में सफल हों।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा, समस्त श्रद्धालुओं को सूर्य उपासना और लोक आस्था के

महापर्व छठ पूजा के प्रथम अनुष्ठान नहाय-खाय की हार्दिक शुभकामनाएं। छठी मैया के आशीर्वाद से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो, यही प्रार्थना है।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अपने संदेश में लिखा, समस्त श्रद्धालुओं को सूर्य उपासना एवं लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के प्रथम अनुष्ठान नहाय-खाय की हार्दिक शुभकामनाएं। गोरखपुर से सांसद रवि किशन ने भी छठ पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के प्रथम अनुष्ठान नहाय खाय की हार्दिक शुभकामनाएं। छठ महापर्व शनिवार को 'नहाय-खाय' के साथ शुरू हुआ। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से शुरू होने वाली छठ पूजा का समापन सप्तमी तिथि (28 अक्टूबर) को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा।

रानीदाह जलप्रपात : छत्तीसगढ़ के घने जंगलों में छिपा प्रकृति का चमत्कार

रायपुर। रानीदाह जलप्रपात का सबसे आकर्षक रूप मानसून के दौरान देखने को मिलता है, जब पानी का बहाव चरम पर होता है और चारों ओर हरियाली व वादियां निखर उठती हैं। एडवेंचर, फोटोग्राफी, और प्रकृति प्रेमियों के लिए यह स्थान अद्भुत अनुभव देता है। यहाँ की स्वच्छ बूंदें, हरियाली भरी घाटियाँ और झरने की गूंज हर आगंतुक को मंत्रमुग्ध कर देती है।

रानीदाह जलप्रपात छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर जिला मुख्यालय से लगभग 15 से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह झरना घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों के मध्य स्थित है और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। बरसात के मौसम में यहाँ का नजारा अत्यंत मनोहारी होता है, झरने की धाराएं विशाल चट्टानों से गिरती हैं और एक विशाल जलकुंड में मिल जाती हैं। आसपास जंगल, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, और ऊँची-नीची पहाड़ियाँ इस जगह को रोमांचक बनाते हैं। यहाँ के माहौल में शांति, ताजगी और हरियाली छायी रहती है, जिससे यह पिकनिक और प्रकृति प्रेमियों का आदर्श स्थल है।

रानीदाह जलप्रपात से जुड़ी एक रोचक किंवदंती भी है। कहा जाता है कि उड़ीसा की रानी शिरोमणि अपने प्रेमी के साथ भागकर जशपुर आई थीं, जहाँ उन्होंने अपने भाईयों से छिपते हुए इसी झरने के समीप आत्मसमर्पण किया। इसी वजह से इस स्थल का नाम रानीदाह पड़ा। आज भी यहाँ रानी की समाधि और पंचमैया नामक स्थल देखने को मिलता है, जो रानी के पाँच भाईयों को प्रतीकात्मक रूप में दर्शाता है। जलप्रपात के निकट एक शिव मंदिर भी है, जिससे इसका धार्मिक महत्त्व बढ़ जाता है। यह जलप्रपात वर्ष पर्यन्त विशेष रूप से जून से फरवरी तक चालू रहता है। जशपुर से आरा मार्ग पर लगभग 18 किमी दूरी और मुख्य सड़क से 5 किमी अंदर की ओर स्थित इस स्थल तक सड़क मार्ग, ट्रेन (रांची व अंबिकापुर रेलवे स्टेशन), और हवाई यात्रा (रांची व रायपुर एयरपोर्ट) से पहुँचा जा सकता है। यहाँ जिला प्रशासन ने व्यू प्वाइंट, सीढ़ियाँ, एवं पिकनिक के लिए सुरक्षित व्यवस्था की है ताकि पर्यटक पूर्ण रूप से प्रकृति का आनंद उठा सकें। रानीदाह जलप्रपात न केवल छत्तीसगढ़ के पर्यटन मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण बिंदु है, बल्कि प्रकृति, इतिहास और रोमांच से भरपूर एक अविस्मरणीय स्थल भी है। यहाँ आकर मनुष्य को प्रकृति के शांत, पवित्र एवं रमणीय स्वरूप का गहरा अहसास होता है।

एक नवंबर को पीएम मोदी करेंगे राज्योत्सव का शुभारंभ, 'नई सोच, नया छीसगढ़' थीम पर होगा भव्य आयोजन

राज्योत्सव के मंच से उभरेगा डिजिटल और विकसित छीसगढ़, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने लिया तैयारियों का जायजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इस वर्ष राज्य सरकार भव्य रजत राज्योत्सव मनाने जा रही है। राजधानी नया रायपुर में 1 नवंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पांच दिवसीय राज्योत्सव का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम को ऐतिहासिक और आधुनिक स्वरूप देने के लिए तैयारियां तेज़ी से चल रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान देश के पहले आदिवासी डिजिटल संग्रहालय, नया विधानसभा भवन और ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की 'शांति शिखर' अकादमी का भी उदघाटन करेंगे। वे सत्य सांई हॉस्पिटल में हृदय उपचार से लाभान्वित बच्चों से भी मुलाकात करेंगे। संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने राज्योत्सव की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राज्योत्सव स्थल पर राज्य सरकार के विभिन्न विभागों और केन्द्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगायी जाएगी। इसके अलावा फूड जोन और शिल्पग्राम के साथ ही यहां आने वाले लोगों के मनोरंजन के लिए विभिन्न स्टॉल लगाये जाएंगे। मुख्य मंच पर आकर्षक सांस्कृति कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी होगी। मंत्री अग्रवाल ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में राज्योत्सव और संग्रहालय का अवलोकन कर राज्य की गौरवगाथा से जुड़ें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की रजत जयंती पर मनाया जा रहा राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की गौरवमयी विकास यात्रा का उत्सव है। संस्कृति मंत्री अग्रवाल ने शहीद वीर नारायण सिंह की स्मृति में बनाए जा रहे नवीन आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय और पुरखौती मुक्तांगन का निरीक्षण कर पुरखौती मुक्तांगन में नवनिर्मित रामवनगमन पथ, सीताबेंगरा एवं रामगढ़ की पहाड़ी की प्रतिकृति का अवलोकन किया और यहां किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर आदिम जाति विकास विभाग के आयुक्त डॉ. सरांश मित्तर, संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। नवा रायपुर में विकसित देश का पहला आधुनिक आदिवासी डिजिटल संग्रहालय छत्तीसगढ़ के जननायकों, वीरता और लोक संस्कृति की गाथा को नवीन तकनीक और वर्चुअल रियलिटी माध्यम से प्रस्तुत करेगा। संग्रहालय में पारंपरिक कलाओं के साथ डिजिटल इंटरएक्टिव अनुभव भी दर्शकों को आकर्षित करेंगे। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि 'इस वर्ष राज्योत्सव 'नई सोच, नया छत्तीसगढ़' थीम पर मनाया जा रहा है, जो राज्य के डिजिटल, सांस्कृतिक और विकासशील स्वरूप का प्रतीक बनेगा।' उन्होंने यहां एआई पर आधारित डिजिटल स्वचालित कैमरे लगाये गए हैं, जिसमें कैमरे के सामने आने पर स्वतः ही आदिवासी वेषभूषा पर छायाचित्र खिंच जाती है। 25वें राज्योत्सव में देश-विदेश के कलाकारों की प्रस्तुतियां, भारतीय वायुसेना का सूर्यकिरण एयर शो, हस्तशिल्प प्रदर्शनी, स्थानीय उत्पादों के स्टॉल, डिजिटल एक्सपीरियंस जोन और वीआर जोन विशेष आकर्षण रहेंगे। राज्योत्सव स्थल पर तीन विशाल डोम बनाए जा रहे हैं, जिनमें 60 एलईडी स्क्रीन लगाई जा रही हैं। करीब 40 हजार वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था, 300 शौचालय, 20 बेड का अस्थायी हॉस्पिटल, आईसीयू यूनिट और 25 एम्बुलेंस तैयार रखी गई हैं। इसके अलावा नए चौराहों का सौंदर्यीकरण और प्रकाश व्यवस्था का कार्य भी अंतिम चरण में है।

क्वीक न्यूज

गेवरा खदान में भू-विस्थापितों पर लाठीचार्ज, कई लोग घायल

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित एसईसीएल की गेवरा खदान में रोजगार, पुनर्वास और मुआवजा की लंबित मांगों को लेकर गुरुवार को शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे भू-विस्थापितों पर सीआईएसएफजवानों के लाठीचार्ज कर देने से कई लोग घायल हो गए। घायलों में छत्तीसगढ़ किसान सभा के जिला सचिव दीपक साहू, रमेश दास, बिमल दास और गुलाब दास शामिल हैं। घटना के बाद क्षेत्र में भारी तनाव व्याप्त है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण चल रहा था। इसी दौरान सीआईएसएफ के एक अधिकारी द्वारा प्रदर्शनकारियों से अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज की गई, जिसके बाद बल ने अचानक लाठीचार्ज शुरू कर दिया। घायल प्रदर्शनकारियों को जबरन उठाकर थाने ले जाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण दीपका थाना पहुंच गए और मारपीट के आदेश देने वाले अधिकारियों पर अपराध दर्ज करने की मांग की। थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने घायलों का मुलाहिजा करवाने और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। छत्तीसगढ़ किसान सभा के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रशांत झा ने लाठीचार्ज को तानाशाही रवैया बताते हुए कहा कि यह कार्रवाई एसईसीएल प्रबंधन के इशारे पर की गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि भू-विस्थापितों की समस्याओं का समाधान किए बिना किसी भी स्थिति में खदान विस्तार नहीं होने दिया जाएगा। यदि प्रबंधन ने जबरन विस्तार की कोशिश की तो आंदोलन और उग्र रूप लेगा। किसान सभा ने मांग की है कि एसईसीएल से प्रभावित प्रत्येक छोटे खातेदार को नियमित रोजगार, उचित मुआवजा और पुनर्वास की सुविधा दी जाए। साथ ही नए और पुराने मुआवजा प्रकरणों में की जा रही कटौती तत्काल बंद करने की अपील की गई है। किसान सभा के जिला सचिव दीपक साहू ने कहा कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण था, बावजूद इसके सीआईएसएफने जबरन लाठीचार्ज किया। उन्होंने कहा, बंदूक और लाठी की नोंक पर खदान विस्तार नहीं होगा। पहले रोजगार, पुनर्वास और मुआवजा की समस्याओं का समाधान किया जाए। संगठन का आरोप है कि पूर्व में अधिग्रहित ग्रामों के रोजगार और मुआवजा प्रकरण वर्षों से लंबित हैं, जबकि प्रशासन की मदद से नए क्षेत्रों में तेजी से खनन विस्तार किया जा रहा है। किसान सभा ने चेतावनी दी है कि जब तक प्रभावित ग्रामों की समस्याओं - रोजगार, बसावट और पेयजल का समाधान नहीं किया जाता, तब तक किसी भी नए विस्तार कार्य का विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शन में गेवरा क्षेत्र के अनेक प्रभावित गांवों के सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। किसान सभा के पदाधिकारी अब आंदोलन को व्यापक स्वरूप देने की रणनीति बना रहे हैं।

अवैध धान परिवहन व बिचौलिए पर रहेगी प्रशासन की पैनी नजर

बलौदाबाजार। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का खरीदी की तैयारी जिला प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर शुरू कर दी गई है। इसी कड़ी में जिला पंचायत सभाकक्ष में नोडल अधिकारियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर दीपक सोनी ने नोडल अधिकारियो के कार्यो और दायित्वों की जानकारी देते हुए अवैध धान परिवहन एवं बिचौलिए पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी में नोडल अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रहेगी। किसी भी समिति में अवैध धान खपाने का प्रयास करने वाले बिचौलिए एवं अवैध धान परिवहन करते पाए जाने पर तत्काल इसकी सूचना तहसीलदार एवं समिति प्रबंधक को देना है। अपने-अपने कार्य क्षेत्र समिति अंतर्गत आने वाले गांव के संदिग्ध व्यक्ति एवं बिचौलिओं की सूची तैयार कर लें। धान खरीदी के समय कानून व्यवस्था बनाए रखने में भी आवश्यक समन्वय करना होगा। उन्होंने कहा कि जिले में लगभग 12 स्थानों पर जांच नाका स्थापित हैं जिन्हे शीघ्र सक्रिय करें ।

और वहां कर्मचारियों की नये सिरे से ड्यूटी लगवाएं। जांच नाका में पंजी संधारित कर प्रतिदिन की कार्यवाही की रिपोर्ट देनी होगी। धान खरीदी के लिए बरदाने गुणवत्तापूर्ण होने चाहिए तथा स्टैंकिंग भी उपयुक्त तरीके से कराना है। उन्होंने धान खरीदी के लिए जिला कंट्रोल रूम हेतु संपर्क केन्द्र को सक्रिय करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि इस बार धान खरीदी एग्रीस्टेक पंजीयन, डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फिजिकल वेरिफिकेशन के आधार पर होगा। अब तक लगभग 1लाख 55 हजार किसानों का पंजीयन हुआ हैं एवं करीब 2372 किसानों का एग्रीस्टेक में पंजीयन शेष हैं। इन छूटे हुए किसानों का पंजीयन अगले दो दिन में पूरा कराने सभी भरसक प्रयास करें। पंजीयन के लिए छूटे हुए किसानों की सूची समितिवार तैयार किया गया हैं। इस सूची को सभी समिति प्रबंधकों, एससडीएम, तहसीलदार, पटवारी, सचिव एवं सरपंच को उपलब्ध कराएं ताकि जल्द पंजीयन पूर्ण हो सके। उन्होंने ग्रामसभा के दौरान ग्रामीणों से प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण करते समय पहले फिजिकल वेरिफिकेशन एप्प से सत्यापन एवं ऑनलाइन एंट्री के बाद निराकरण की सूची ग्राम पंचायत के सार्वजनिक स्थल पर चस्पा करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर जिला खाद्य अधिकारी पुनीत वर्मा, उप पंजीयक सहकारिता उमेश गुप्ता सहित जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी एवं नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले एकता मार्च की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

जांजगीर-चांपा। भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री, भारत रत्न लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले यूनिटी मार्च की तैयारियों को लेकर जांजगीर-चांपा लोकसभा सांसद कमलेश जांगड़े ने सर्किट हाऊस जांजगीर में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई और सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित के वारिसों को 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा पीड़ित के 3 प्रकरणों में वारिसों को 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि प्रदान की गयी।

कलेक्टर द्वारा माकड़ी तहसील के ग्राम सिवनी निवासी बनती की सर्पदंश से मृत्यु होने पर भाई सोनिया, सोनसाय, किर्तन, बहन खेमबती को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि, बड़ेराजपुर तहसील के ग्राम हत्दा निवासी प्रभुलाल मरकाम की सर्पदंश से मृत्यु होने पर पत्नी रमुला मरकाम को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि, माकड़ी तहसील के ग्राम छोटे सलना निवासी दीपक की पानी गाज गिरने से मृत्यु होने पर माता सुकली को 4 लाख रूपए आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गयी है। उक्त स्वीकृत आर्थिक सहायता राशि सम्बन्धित वारिसों के बैंक खाते में हस्तांतरित करने के निर्देश सम्बन्धित तहसीलदारों को दिए गए हैं।

महतारी वंदन योजना से बदली जिंदगी श्यामा बनी आत्मनिर्भरता की पहचान

मुंगेली। सरकारी योजनाएं तभी असर दिखाती हैं, जब वे सीधे आमजन के जीवन में बदलाव लाएं। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना ऐसी ही तस्वीर लिख रही है। मुंगेली जिले के ग्राम किरना की श्यामा नेताम इसका उदाहरण है। कभी मजदूरी और सीमित खेती पर आश्रित यह परिवार आज आत्मनिर्भरता की राह पर मजबूती से खड़ा है, वो भी एक छोटे से प्रयास और बड़ी सोच की वजह से। श्यामा को बकरी पालन का अनुभव तो था, मगर पूंजी की कमी बड़ी बाधा थी। इसी बीच महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने मिलने वाले 1,000 रुपए ने उनकी उम्मीद को नई दिशा दी। श्यामा ने राशि खर्च करने के बजाय उसे कुछ महीने तक बचाया और उसी से एक बकरी खरीदी। यहीं से शुरू हुआ बदलाव का सफर, रकम भले छोटी थी, लेकिन हौसला बड़ा। धीरे-धीरे बकरियों की संख्या बढ़ी और आज श्यामा परिवार की आय में 3000 रुपए प्रति माह जोड़ रही हैं। बच्चों की पढ़ाई हो या रोजमर्रा का खर्च, सब कुछ अब पहले से ज्यादा व्यवस्थित है। सबसे बड़ी बात श्यामा अब खुद को आश्रित नहीं, आत्मनिर्भर कहने लगी हैं। श्यामा नेताम कहती हैं कि 'योजना ने मुझे नया हौसला दिया। अब मैं अपने पैरों पर खड़ी हूँ। पहले घर चलाना मुश्किल था, लेकिन अब अपने दम पर परिवार संभाल पा रही हूँ। यह योजना सच में महिलाओं के लिए नई शुरुआत है। यह बदलाव यूं ही नहीं आया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना का मकसद महिलाओं को केवल सहारा नहीं, आर्थिक स्वतंत्रता देना है। इस योजना की बदौलत श्यामा जैसी हजारों महिलाएं अपनी पहचान और सम्मान की नई कहानी लिख रही हैं। गांव में श्यामा प्रेरणा बन चुकी हैं। उनकी मुस्कान बताती है कि छोटे अवसर भी बड़ा भविष्य बना सकते हैं, बस जरूरत है विश्वास, निरंतरता और सही दिशा की।

ग्राम पंचायत देवगई में गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया

रामानुजगंज। जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत देवगई में गोवर्धन पूजा का आयोजन आदर्श गौ सेवा संस्थान मे पारंपरिक तरीके से गौ माता का पूजा अर्चना कर प्रसाद वितरण किया गया। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्री कृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठाकर गोकुल वासियों को इंद्र के प्रकोप से रक्षा की थी। इसी घटना की स्मृति में यह पर्व मनाया जाता है। व्ही पशु चिकित्सा सह पशुधन जागृति शिविर में गौधाम संचालन के संबंध में आवश्यक जानकारी साझा करते हुए गौशाला के पशुओं का उपचार, मिनरल मिक्सचर, कैल्शियम लिक्विड औषधी तथा अन्य बीमारियों की औषधियां का वितरण कर आवश्यक टीकाकरण कार्य संपादित किया गया। साथ ही पशुधन विकास विभाग में संचालित विभिन्न जनकल्याण कारी योजनाओं में केसीसी, एफएमडी वैक्सीनेशन, एलएसडी वैक्सिनेशन की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला गौ सेवा आयोग अध्यक्ष आशीष केशरी, जिला संघचालक मनोज गुप्ता, अंकित कलवार, बद्री यादव, कोषाध्यक्ष आनंद चौबे, रामानुजगंज भाजपा मंडल अध्यक्ष सीताराम गुप्ता, उपाध्यक्ष धर्म प्रकाश केशरी, जनपद सदस्यों में राजकुमार गुप्ता, अशर्फी यादव, अनोज यादव, पशुधन विभाग से डा.एस.एस.सेंगर, डॉ.एम. एस.मरकाम, शशांक केशरी जसु सहित अन्य धर्म स्वालंबी लोग उपस्थित रहे।

हवाई फायरिंग के बीच ठुमके : पिंडरा में युवकों का एयरगन डांस वीडियो वायरल

कानून-व्यवस्था पर सवाल

बलरामपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पिंडरा का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ युवक चली समियाना में गोली के गाने में एयर गन लेकर डांस करते नजर आ रहे हैं। हालांकि यह वीडियो कब का है, इसकी पुष्टि अभी नहीं हो पाई है, लेकिन सोशल मीडिया पर इसके वायरल होते ही लोग इसे लेकर कड़ी नाराजगी जाता रहे हैं और लोग कह भी रहे हैं कि अगर कहीं गोली लग जाए तो बड़ी अनहोनी हो सकती है। जिस तरीके से वीडियो में गोली फायर हो रही है उसको देखकर लोग दहशत में है और वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि तीन से चार युवक एयर गन हाथ में लिए हुए डांस कर रहे हैं। वहीं एक युवक तो भीड़ के बीच हवाई फायरिंग करते भी नजर आ रहा है। इस तरह की हरकतों को लेकर लोग सोशल मीडिया पर युवकों की कड़ी आलोचना कर रहे हैं। इस प्रकार के कृत्य असामाजिक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देते हैं और इससे कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होते हैं।

16 नग गौवंश से भरी वाहन, एक आरोपी गिरफ्तार, एक विधि के साथ संघर्षरत बालक भी शामिल

बेमेतरा। पुलिस ने 16 नग गौवंश से भरी वाहन सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है साथ में एक विधि के साथ संघर्षरत बालक भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी विवेक शुक्ला उम्र 46 साल ग्राम नांदघाट थान नांदघाट जिला बेमेतरा ने एक लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर 20 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराया कि 19.10.25 को रात में इसे सूचना मिला कि एक आईसर वाहन क्रमांक सी जी 15 डी जेड 8001 में बहुत सारे गौवंश पालतु पशुओं को रस्सी से बांधकर बिना चारा पानी भुसा दिये बिना ठुस ठुस कर वाहन में क्रुरतापूर्वक भरकर परिवहन करते कत्लखाना ले जा रहे है। यह जाकर देखा तो आईसर क्रमांक सी जी 15 डी जेड 8001 में 11 नग गाय 05 नग बछड़ा/बछिया कुल 16 नग गौवंश पालतु पशुओं को आईसर वाहन का चालक मनोज कुमार यादव पिता स्व. हीरा यादव उम्र 36 साल ग्राम बडाटोला, थाना जगदीशपुर जिला भजपुर (बिहार) एवं उसका एक हेल्पर द्वारा आईसर वाहन आईसर क्रमांक सीजी 15 डी जेड 8001 में 11 नग गाय 05 नग बछड़ा/बछिया कुल 16 नग गौवंश पालतु पशुओं को रस्सी से बाधकर बिना चारा पानी भुसा दिये बिना ठुस ठुस कर वाहन में क्रुरतापूर्वक भरकर परिवहन करते कत्लखाना ले जा रहे थे कि रिपोर्ट पर थाना नांदघाट में अपराध सदर धारा छ.ग. कृषक पशु परि.अधि. 2004 की धारा 4,6,10, पशुओ के प्रति क्रुरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11, (घ) पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना के संबंध में अधिकारियो को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने तत्काल आरोपी के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने निर्देश दिये। जिसके तहत अति. पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह एवं एसडीओपी बेमेतरा कौशिल्या साहू के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नांदघाट निरीक्षक लेखराम ठाकुर को अपराध विवेचना हेतु थाना स्टाफ के साथ लगाया गया। प्रकरण में घटना में प्रयुक्त उक्त आईसर वाहन आईसर क्रमांक सीजी 15 डीजेड 8001 में 11 नग गाय, 05 नग बछड़ा/बछिया कुल 16 नग गौवंश एवं 01 नग मोबाईल, कुल जुमला किमती 5,50,000/- रूपये को जप्त किया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी मनोज कुमार यादव पिता स्व. हीरा यादव उम्र 36 वर्ष, ग्राम बडाटोला,थाना जगदीशपुर, जिला भजपुर, बिहार को 20 अक्टूबर 2025 को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया एवं एवं एक विधि के साथ संघर्षरत बालक को न्याय किशोर बोर्ड न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी नांदघाट निरीक्षक लेखराम ठाकुर, प्रधान आरक्षक यागेश्वर देशमुख, प्रधान आरक्षक खुलेश्वर गायकवाड, विजय शुक्ला, आरक्षक संजय साहू, प्रताप यादव, आकाश राजपूत, रूपेन्द्र वर्मा, देवनारायण साहू, अजय गोयल एवं अन्य स्टाफ व गौ सेवको की महत्वपूर्ण भुमिका रही।

बाराद्वार थाना प्रभारी नरेंद्र यादव की अवैध शराब कोचिंयो के विरुद्ध कार्रवाई

सक्ति। पुलिस थाना बाराद्वार के नव पदस्थ टी आई नरेंद्र यादव ने अवैध शराब कोचियों के खिलाफ ताड बतोड़ करवाई प्रारंभ कर दी है, थाना बाराद्वार जिला सक्ती (छग) में अवैध शराब कोचियो के विरूध्द बाराद्वार पुलिस द्वारा ताबातोड़ कार्यवाही कर प्रकरण में 01 आरोपी से 09 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त किया गय है एवम अपराध क्रमांक 265/25 धारा 34(2)आब. एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है, आरोपी रूपनारायण गोंड पिता साधन सिंह गोंड उम्र 50 साल निवासी गुड़ेराडीह थाना बाराद्वार जिला सक्ती (छ.ग.) है, थाना बाराद्वार क्षेत्र मे चल रहें अवैध जुआ/सटटा, अवैध गांजा व शराब बिक्री एवं परिवहन करने वाले आपराधियों पर अकुंश लगाने हेतु उच्चाधिकारियों के द्वारा अधिक से अधिक कार्यवाही करने की निर्देश पर थाना प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र यादव थाना प्रभारी बाराद्वार द्वारा मुखबीर की सूचना पर ग्राम करारी गुड़ेराडीह में टीम बनाकर रेड कार्यवाही कर आरोपी रूपनारायण गोंड पिता साधन सिंह गोंड उम्र 50 साल निवासी गुड़ेराडीह थाना बाराद्वार जिला सक्ती (छ.ग.) कब्जे से 09 लीटर कच्ची महुआ शराब भरी हुई कीमति 900/- रूपये को जप्त किया गया जिसे आबकारी एक्ट के तहत विधिवत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार क्या गया, उक्त कार्यवाही मे निरीक्षक नरेंद्र यादव, प्रआर. मनीष राजपूत, आर. योगेश राठौर व समस्त बाराद्वार स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

नियम तोड़ने वाले निजी चिकित्सा संस्थानों पर जिला प्रशासन की सत कार्यवाही, लीनिक-लैब सील, भारी जुर्माना

जगदलपुर। बस्तर जिला प्रशासन ने निजी चिकित्सा संस्थानों में अनियमितताओं के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज कर दिया है। कलेक्टर हरीश एस. के स्पष्ट निर्देश और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक के नेतृत्व में नर्सिंग होम एक्ट 2013 और छत्तीसगढ़ चिकित्सा अधिनियम 2010 के तहत गठित विशेष निरीक्षण दल ने जगदलपुर शहर के विभिन्न निजी क्लीनिकों और डायग्नोस्टिक लैबों पर छापेमारी की। इस दौरान कई संस्थानों में गंभीर खामियां पाए जाने के बाद कठोर कार्रवाई की गई। निरीक्षण दल ने पाया कि कुछ चिकित्सा संस्थान बिना वैध पंजीकरण और निर्धारित मानकों के संचालित हो रहे थे, जो मरीजों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। निरीक्षण के आधार पर कुम्हारपारा में संचालित डॉ. मोहनराव क्लीनिक में अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर क्लीनिक को तत्काल सील कर दिया गया और 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके साथ ही बालाजी डायग्नोस्टिक लैब द्वारा पूर्व में

लगाए गए 20 हजार रुपए के जुर्माने का भुगतान न करने के कारण लैब को सील करने की कार्रवाई की गई। लालबाग में संचालित शिव शक्ति मेडिकल स्टोर के साथ संचालित क्लीनिक में छत्तीसगढ़ चिकित्सा अधिनियम 2013 का पालन न करने पर 20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक ने कहा, ÷यह कार्रवाई जिले के सभी निजी चिकित्सा संस्थानों के लिए एक सख्त संदेश है कि नियमों का पालन अनिवार्य है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का उददेश्य बस्तर की जनता को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि इस तरह की औचक निरीक्षण और कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। हमारी प्राथमिकता स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। नियम तोड़ने वाले संस्थानों के खिलाफ ऐसी कार्रवाइयां भविष्य में भी बिना किसी रियायत के जारी रहेंगी। इस अवसर पर जिला प्रशासन ने बस्तर के नागरिकों से आग्रह किया है कि वे उपचार के लिए केवल पंजीकृत और अधिकृत चिकित्सा संस्थानों का ही चयन करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि गैर-पंजीकृत या अनधिकृत संस्थानों में उपचार कराने से स्वास्थ्य जोखिम हो सकता है। नागरिकों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी अनियमितता की सूचना प्रशासन को दें। जगदलपुर में प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई को नागरिकों ने सराहा है। स्थानीय निवासियों का मानना है कि यह कदम निजी चिकित्सा संस्थानों में मानकों का पालन सुनिश्चित करने और मरीजों की सुरक्षा बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होगा। जिला प्रशासन ने संकेत दिया है कि इस तरह की निरीक्षण प्रक्रिया को और सघन किया जाएगा। सभी निजी चिकित्सा संस्थानों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने पंजीकरण और अधिनियम के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करें, अन्यथा भविष्य में और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कविता : मेरी स्वच्छ धरती

मेरी चाहत है मेरी स्वच्छ धरती
जो जोड़ती है अपने देश से अपने प्रदेश से
अपने लोगों से,घने जंगलों से, स्वर्णिम लताओं से,
मुस्कुराती सुंदर प्रकृति से, तरह-तरह की कलाओं से,
नाव और हवाई जहाज से, गिरते झरनों से ,
मूक जानवरों से, स्वादिष्ट व्यंजनों से,
हमसे और आपसे ।
मेरी चाहत है मेरी स्वच्छ धरती.....
स्वास्थ्य और सुख का एक ही आधार ,
स्वच्छ रखो अपनी धरती यही है जीवन का आधार। बीमारियों से रहना है दूर,
तो धरती मे रखना होगा सफाई भरपूर
धरती पर सफाई है जहां जीवन में समृद्धि है वहां ।
मेरी चाहत है मेरी स्वच्छ धरती.....
धरती पर नदियां, तलाब झील और समंदर ,
प्रदूषित हो रहे बेशुमार,
आधुनिक समुद्री वाहनों के डीजल, पेट्रोल, धुआं, कार्बन डइऑक्साइड, एवं कर्बन मोनोऑक्साइड से घट रहा निरंतर नाइट्रोजन और ऑक्सीजन का स्तर ।
धरती पर जलवायु, प्लास्टिक, ध्वनि प्रदूषण रहेगा ,
तो कैसे रहेगा मानव प्रफुल्लित ???
मेरी चाहत है मेरी स्वच्छ धरती.....
धूमिल हो रही इस प्यारी धरती को
कर निर्मल तू हे मानव ,
स्वच्छ कर इस धरती को
मेरी चाहत है मेरी स्वच्छ धरती।

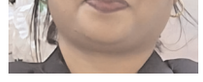

हेपशीबा एंथोनी
सेक्टर-7, भिलाई

सूर्यघर मुत बिजली योजना से रोशन हुआ दिनेश का घर

सुकमा। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण अंचलों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिख रही है। सुकमा जिले के कुम्हाररास निवासी दिनेश पाल ने इस योजना के अंतर्गत अपने घर में 3 किलोवाट क्षमता का सौर संयंत्र स्थापित किया है, जिसके परिणामस्वरूप उनके बिजली बिल में बेहद कमी आई है। पहले जहाँ उन्हें प्रतिमाह 1600-1700 रुपये का भुगतान करना पड़ता था, वहीं अब यह घटकर 400-500 रुपये रह गया है। पाल बताते है कि योजना के तहत उन्हे सब्सिडी तथा बैंक ऋण का लाभ भी मिला है। उन्होंने योजना के लिए प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति

आभार व्यक्त करते हुए इसे आर्थिक रूप से लाभकारी तथा ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। घरो की छतो पर सोलर संयंत्र लगाने वाले हितग्राहियों को केन्द्रीय सब्सिडी के साथ-साथ छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा भी अतिरिक्त सब्सिडी दी जा रही है। नेट-मीटरिंग प्रणाली से जुड़े इन सौर संयंत्रों के माध्यम से उपभोक्ता आवश्यकता से अधिक बिजली ग्रिड को बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। सुकमा कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने इसे पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत और आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया। यह योजना अब ग्रामीण घरों में रोशनी, बचत और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनकर ऊर्जा क्रांति ला रही है।

बस्तर ओलिंपिक 2025 : मुयमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खेलों के माध्यम से शांति और समरसता का संदेश

- बस्तर संभाग के 7 जिलों से 3 लाख 91 हजार 289 खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजातीय बाहुल्य बस्तर संभाग में युवाओं की ऊर्जा, उत्साह और प्रतिभा को निखारने के उददेश्य से 'बस्तर ओलंपिक 2025' का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में गृह (पुलिस) विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होने वाला यह आयोजन प्रदेश के रजत जयंती वर्ष में बस्तर की नई पहचान बनेगा। बस्तर ओलंपिक 2025 के प्रति लोगों में उत्साह का अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि अब तक बस्तर संभाग के 7 जिलों से 3 लाख 91 हजार 289 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। इनमें 1 लाख 63 हजार 668 पुरुष और 2 लाख 27 हजार 621 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। यह संख्या न केवल बस्तर के युवाओं का खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि बस्तर की धरती पर अब खेल एक नई सामाजिक चेतना और समान भागीदारी का प्रतीक बन चुके हैं। इस आयोजन का मुख्य उददेश्य बस्तर के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना और उनके भीतर निहित नैसर्गिक खेल प्रतिभा को पहचानना है। यह पहल केवल खेल आयोजन नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास व संवाद का सेतु बनेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा था, बस्तर ओलंपिक केवल एक खेल आयोजन नहीं है, यह ऐसा मंच है जहां विकास और खेल का संगम हो रहा है, जहां हमारे युवा अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं और एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं। यह मॉडल पूरे देश में 'खेल के माध्यम से शांति और विश्वास' की अनूठी पहल के रूप में देखा जा रहा है। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, फुटबॉल, बैडमिंटन, कबडडी, खो-खो, वॉलीबॉल, कराते, वेटलिफ्टिंग और हॉकी जैसे खेल शामिल हैं। इसमें न केवल आधुनिक खेलों को बढ़ावा दिया जाएगा, बल्कि स्थानीय परंपरा से जुड़े खिलाड़ियों को भी मंच मिलेगा। बस्तर ओलंपिक में जूनियर (14-17 वर्ष) और सीनियर वर्ग के अलावा विशेष श्रेणी के प्रतिभागियों–नक्सल हिंसा से दिव्यांग हुए व्यक्ति और आत्मसमर्पित नक्सलियों–को भी सम्मिलित किया जा रहा है। यह पहल खेल के माध्यम से पुनर्वास, पुनर्जीवन और सामाजिक एकीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। प्रतियोगिताएं तीन स्तरों–विकासखण्ड, जिला और संभाग स्तर–पर आयोजित हो रही हैं। विकासखण्ड स्तर पर प्रतियोगिता 25 अक्टूबर से, जिला स्तर पर 5 नवम्बर से और संभाग स्तर पर 24 नवम्बर से आयोजित की जाएगी। विजेताओं को जिला और संभाग स्तर पर नगद पुरस्कार, मेडल, ट्रॉफी और शील्ड प्रदान की जाएगी। नगद राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से खिलाड़ियों के बैंक खाते में जमा की जाएगी। संभागीय स्तर के विजेता खिलाड़ियों को बस्तर यूथ आइकॉन के रूप में प्रचारित किया जाएगा। यह 'स्पोर्ट्स फॉर पीस' मॉडल बस्तर में नई सामाजिक चेतना का प्रतीक बनेगा। 'बस्तर ओलंपिक 2025' के लिए वन भैंसा और पहाड़ी मैना को शुभंकर बनाया गया है, जो बस्तर की जीवंतता और सामुदायिक शक्ति का प्रतीक हैं। यह आयोजन न केवल खेलों का, बल्कि बस्तर की संस्कृति, सौहार्द और विकास के नए युग का उत्सव बनेगा।

मधुमक्खियों के हमले से बचने तालाब में कूदे, पिता-पुत्र की डूबने से मौत

जगदलपुर। बस्तर जिले के कपावंड थाना क्षेत्र के ग्राम चोकनार में जंगल में मधुमखियों के हमले से बचने के प्रयास में तालाब में कूदे पिता और पुत्र की डूबने से मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक भुवनेश्वर पटेल (60) और उनका पुत्र विनोद पटेल (35) कल दोपहर गांव से लगे जंगल में घास काटने गए थे। इसी दौरान जंगल के एक हिस्से में अचानक मधुमखियों का झुंड उनके ऊपर टूट पड़ा। हमले से बचने के लिए दोनों घबराकर जान बचाने तालाब की ओर भागे और उसमें कूद गए। कुछ देर बाद जब दोनों बाहर नहीं निकले तो गांववालों ने शोर मचाया और घटना की सूचना कपावंड पुलिस को दी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गोताखोरों की मदद से देर शाम तक तलाशी अभियान चलाया था। लेकिन अंधेरा बढ़ने के कारण खोज कार्य रोकना पड़ा था। फिर से तलाशी अभियान शुरू किया गया, इस दौरान दोनों के शव तालाब से बरामद किये गये। शवों को पोस्टमार्टम के लिए जगदलपुर भेजा गया है।

भाटापारा मे दिखा आस्थामय सम्मान का पायदान महत्वपूर्ण स्थलों मे किया गया दीप प्रज्वलन दीपदान

- सरयू साहित्य एवं ग्लोबल जर्नलिस्ट मीडिया संघ द्वारा प्रमुख चौराहों पर दीप प्रज्वलन

भाटापारा। खुशियां एवं उजियारा बांटने का पर्व जिसमें समाहित है समरसता मधुरता एवं चहुंओर समृद्धि अभिव्यक्ति का भाव ऐसे विराट संदेश प्रदान करने वाले पंच दिवसीय दिपावली महापर्व के उपलक्ष्य मे नगर की रचनात्मक संस्था सरयू साहित्य परिषद द्वारा एक महत्वपूर्ण अभियान संचालित किया गया जिसके तहत डगर डगर उजियारा तथा एक दीप जहां दिखे अंधियारा के तहत विभिन्न स्थलों पर दीप रखकर उजियारे का संदेश प्रतिपादित किया गया तथा महालक्ष्मी पूजन दिवस के दिन जहां मंदिरों तालाब कुओं विद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों मे दीपक रखा गया वहीं दीपावली के दूसरे दिन

प्रमुख चौक चौराहों पर आस्था एवं सम्मान के दीप प्रज्वलित किए गये।

ग्लोबल मीडिया संघ की रही भागीदारी: उपरोक्त महत्वपूर्ण अभियान जनमानस के सराहनीय सहयोग से अत्यंत उत्साह पूर्ण वातावरण मे संपन्न हुई तथा सभी के द्वारा दीप अर्पण के इस अभियान मे अपनी भागीदारी निभाई गयी,प्रमुख चौक चौराहे जहां आदर्श के प्रतिमान स्थापित हैं उन महत्वपूर्ण स्थलों मे आस्था एवं सम्मान के दीप प्रज्जवलन मे ग्लोबल मीडिया संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों सहित विभिन्नजनों की अहम भागीदारी नजर आयी, भामाशाह चौक, महतारी चौक, गांधी प्रतिमा फौव्हारा चौक, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस प्रतिमा इतवारी राम यादव विद्यालय भारत माता चौक एवं जय स्तंभ मे आस्था एवं सम्मान का दीप प्रज्जवलन करते हुए आदर्श के प्रतिमानों का वंदन एवं नमन किया गया।

भाव अभिव्यक्ति की अहम कड़ी: पत्रकार मुकेश शर्मा के संचालन मे आयोजित दीप प्रज्वलन अनुष्ठान मे भाव अभिव्यक्ति की कड़ी मे सरयू साहित्य परिषद के अध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा द्वारा अंधकार से संघर्ष एवं प्रकाश से उत्कर्ष बिन्दु पर प्रकाश डाला गया, ग्लोबल मीडिया संघ के अध्यक्ष शंकरलाल सोनी द्वारा एक दीप ज्ञान का शीप जैसे पहलू को रेखांकित करते हुए सभी प्रकार के अंधकारों से संघर्ष का आव्हान किया गया, आचार्य संजय तिवारी द्वारा ज्ञान एवं अज्ञानता के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से चर्चा करते हुए ज्ञान के प्रकाश से चहुंओर उजियारा की कामना की गयी।

अनुष्ठान मे बड़ी संख्या मे भागीदारी: दीप महापर्व के उपलक्ष्य मे दीप अर्पण के इस महाअनुष्ठान मे बड़ी संख्या मे भागीदारी नजर आयी तथा विभिन्न चरणों मे संपादित हुए इस अभियान मे हरिहर शर्मा,पं दुर्गा प्रसाद तिवारी, कविता शर्मा, सरिता रानी शर्मा, श्याम पुरोहित ललित तिवाड़ी, अनिल ओझा, चन्द्रभूषण पाण्डेय, मोनू मानिक प्रसाद दुबे, सक्षम मिश्रा, लोकेश साहू, दिनेश शर्मा, राजकुमार यदु, आर्यन स्वर्णकार, प्रकाश मानिकपुरी, प्यारेलाल साहू, पं हरगोपाल शर्मा रंजन त्रिवेदी आलोक जायसवाल आदि द्वारा प्रमुख भागीदारी निभाई गयी।

लवन पुलिस की बड़ी कार्रवाई : ग्रो मनी इन्वेस्टमेंट के नाम पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपियों की हुई गिरफ्तारी, जेल दाखिल

लवन। जिला बलौदाबाजार में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के पदस्थापना के बाद से लगातार अपराधियों पर पुलिस लगाम कसते हुए अपराध की स्तर में गिरावट लाने में सराहनीय भूमिका निभा रहा है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह व डीएसपी अपूर्वा सिंह क्षत्रिय के कुशल मार्गदर्शन, वर्तमान थाना प्रभारी अमित पाटले के कुशल नेतृत्व एवं सूझबूझ से ग्रो मनी इन्वेस्टमेंट के नाम से दर्जनों लोगों से करोड़ों रुपये धोखाधड़ी कर वसूली करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी में लवन पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी अमित पाटले एवं उनके टीम की सराहनीय भूमिका है। प्रधान आरक्षक रामकृष्ण पटेल ने बताया कि

लवन निवासी आरोपी विजय जायसवाल, संतोष जायसवाल एवं मनेन्द्र जायसवाल ये तीनों व्यक्ति लोगों को ग्रो मनी इन्वेस्टमेंट के नाम से पैसा 25 माह में डबल करने का झांसा देकर करीब 16 लोगों से 5 करोड़ रुपए से भी अधिक वसूली कर धोखाधड़ी कर निवेशकों को बेवकूफ बनाते हुए आ रहे थे, जिनके खिलाफ लवन (कारी) निवासी एक आवेदक के शिकायत पर उक्त तीनों आरोपियों सहित ग्रो मनी इन्वेस्टमेंट के संचालक उमेश पाठक के खिलाफ 27 नवम्बर 2024 को अपराध दर्ज हुआ। तब से तीनों आरोपी इधर उधर मुँह छिपाते पुलिस से भाग रहे थे, लेकिन जैसे ही एसपी भावना गुप्ता पदस्थापना बलौदाबाजार हुआ और लवन का प्रभार अमित पाटले के कंधों पर आया, एसपी ने बिना देरी किये थाना प्रभारी को गिरफ्तारी के निर्देश दिए और वैसे ही थाना प्रभारी अमित पाटले, उनके टीम थाना लवन से एएसआई सुरेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक रामकृष्ण पटेल, आरक्षक भूपेंद्र गुप्ता ने सघन जांच तलाशी अभियान चलाया, तब सभी आरोपियों की लोकेशन ट्रेस से गिरफ्तारी की प्रक्रिया सम्पन्न हुई। सभी आरोपियों की विधिवत गिरफ्तार किये गए हैं, न्यायिक हिरासत में सभी आरोपी जिला जेल बलौदाबाजार दाखिल हो चुके हैं।

फसल विविधीकरण एवं जैविक खेती का मार्गदर्शन मिला किसानों को किसान मेला में

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत किसानों को ग्राफ्टेड टमाटर पौधे किए वितरित, जनप्रतिनिधियों ने जैविक खेती अपनाने किसानों को किया प्रेरित

अंबिकापुर। जिला स्तरीय किसान मेले कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशुधन विकास विभाग एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं नवीन तकनीकों की जानकारी हेतु स्टॉल लगाए गए, जिनका जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में किसानों ने अवलोकन किया। यह आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र अजिरम, अम्बिकापुर में किया गया। कृषि वैज्ञानिकों ने मेले में फसल विविधीकरण के महत्व पर चर्चा हुए बताया कि पारंपरिक धान की खेती की तुलना में गन्ना, सब्जी एवं उद्यानिकी फसलों से किसानों को अधिक लाभ प्राप्त हो सकता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि जहां धान की खेती में एक रुपए की लागत पर लगभग 50 पैसे का लाभ मिलता है, वहीं गन्ने की खेती में एक रुपए की लागत पर 75 पैसे का लाभ प्राप्त होता है। वहीं शासन द्वारा संचालित किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत 5 किसानों को टमाटर के ग्राफ्टेड पौधे, 5 किसानों को सरसों बीज मिनीकिट, 5 किसानों को स्वॉयल हेल्थ कार्ड एवं बीमा पॉलिसी प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। मत्स्य पालन विभाग द्वारा

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 7 लाभार्थियों को आईस बॉक्स एवं मछली पकड़ने के जाल का वितरण किया गया।

साथ ही जनप्रतिनिधियों ने ए हेल्प पुस्तक का विमोचन किया। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि की राशि अब सीधे ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे किसानों को बैंक के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने, रासायनिक खादों के अत्यधिक प्रयोग से बचने और मृदा की पोषकता बनाए रखने पर किसानों से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पशुधन विकास विभाग के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम को गति दी जा रही है, जिससे 90 प्रतिशत बछिया प्राप्त होने की संभावना बढ़ी है। उन्होंने मत्स्य पालन विभाग की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी किसानों को प्रेरित किया गया। सांसद सरगुजा चिंतामणि महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करने और जैविक खेती अपनाने का आग्रह किया। लूण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि किसान मेला किसानों के लिए नवाचार एवं तकनीकी ज्ञान का मंच है। यहां विभिन्न विभागों द्वारा अपनी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है, जिससे किसानों को खेती-बाड़ी में आधुनिक तकनीक अपनाकर पैदावार बढाने का अवसर मिलेगा। कलेक्टर ने किसानों से कहा कि आगामी 15 नवम्बर से धान खरीदी प्रारंभ होने जा रही है। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से बैंक संबंधी सतर्कता बरतने की अपील की।

उन्होंने कहा कि किसान अपनी मेहनत की कमाई पसीना बहाकर अर्जित करते हैं, लेकिन कई बार बैंक धोखाधड़ी के मामलों में उनकी गाढ़ी कमाई चली जाती है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे अपने बैंक पासबुक का स्टेटमेंट हर 15 से 30 दिनों में अवश्य जांचें, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता या संदेहास्पद लेन-देन का तुरंत पता चल सके। उन्होंने ने कहा कि धोखाधडी का शिकार होने के बाद अपराधी भले ही जेल चला जाए, लेकिन किसान की मेहनत की कमाई वापस नहीं मिल पाती, इसलिए जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने बताया कि सभी बैंक प्रबंधकों को इस संबंध में निर्देशित किया गया है कि यदि किसी किसान को बैंक लेन-देन में समस्या होती है या किसी प्रकार की धोखाधड़ी की आशंका होती है, तो तत्काल प्रशासन को सूचित करें ताकि शीघ्र कार्रवाई की जा सके। किसान मेला में जिले के सर्वश्रेष्ठ पशुपालकों को सम्मानित किया गया। किसान मेले के माध्यम से किसानों को कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी और मत्स्य पालन के क्षेत्र में नवाचार अपनाने तथा आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सरगुजा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य, कृषि स्वामित्व समिति की अध्यक्ष पूर्व हस्तशिल्प बोर्ड अध्यक्ष,कृषि मंत्री के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में जिले के कृषकगण उपस्थित रहे।

खदान को लेकर ग्रामीणों का जोरदार विरोध लाठी-डंडा लेकर उतरे प्रदर्शनकारी

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में प्रकाश इंडस्ट्रीज द्वारा संचालित भास्कर पारा खदान के विरोध में ग्रामीणों का जोरदार प्रदर्शन जारी रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी ने एक फर्जी ग्राम सभा प्रस्ताव के आधार पर खनन का कार्य शुरू किया है और पूर्व में आश्वासन मिलने के बावजूद कोई दस्तावेज नहीं दिखाए गए हैं। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीण लाठी-डंडा लेकर मौजूद रहे प्रदर्शनकारियों में भारी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। प्रदर्शनकारी खदान पर धोखाधड़ी से कार्य संचालित किए जाने का आरोप लगाते हुए इसके तत्काल बंद करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि पिछले आंदोलन के दौरान प्रशासन की ओर से दिए गए आश्वासनों को पूरा नहीं किया गया और उन्हें कोई लिखित दस्तावेज नहीं दिया गया।

संपादकीय...

ज़हरीले औद्योगिक रसायन की मौजूदगी वाले कफ़सिरप के सेवन से काफी तादाद में हुई बच्चों की मौतें भारत की नाकाम दवा नियंत्रण एवं नियामक प्रणाणी पर फिर से ध्यान खींचती हैं।

दवा उद्योग नहीं, जन स्वास्थ्य को मिले प्राथमिकता

मानदंड तो मौजूद हैं, उन्हें और अधिक कठोर बनाने के लिए संशोधित भी किया जाता है, लेकिन उन्हें लागू करने की कोई इच्छाशक्ति नहीं है। केंद्रीय और राज्य औषधि नियंत्रण प्राधिकरण, जिनके जिम्मे मानदंड लागू करवाने का काम है, कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे हैं या जानबूझकर कर्मचारियों की कमी बना रखी है। ज़हरीले औद्योगिक रसायन की मौजूदगी वाले कफ़सिरप के सेवन से काफी तादाद में हुई बच्चों की मौतें भारत की नाकाम दवा नियंत्रण एवं नियामक प्रणाणी पर फिर से ध्यान खींचती हैं। हाल के वर्षों में, स्वदेश और विदेशों में भी, भारत निर्मित दवाओं से जुड़ी ऐसी कई दुखद घटनाएं हुई हैं।

हर बार, हमारी प्रतिक्रिया एक जैसी होती है—मौतों का ज़िम्मेदार विषाक्त या घटिया दवाओं को ठहराया जाता है, राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा जांच की रस्म निभाई जाती है, कुछ छिटपुट उत्पादन इकाइयों पर छापे मारे जाते हैं, नियमों का सही ढंग से पालन न करने की रिपोर्ट आती है, कुछेक इकाइयों के उत्पाद लाइसेंस निलंबित कर दिए जाते हैं, स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा राज्यों को नियामक मानदंडों को 'सख्ती से' लागू करवाने का निर्देश दिया जाता है। फिर जल्द ही 'पहले जैसा क्रियाकलाप' शुरू हो जाता है। किसी पर कोई कार्रवाई नहीं होती, नियम जस-के-तस, दवा नियामक निकायों में रिक्त पदों को नहीं भरा जाता, किसी भी दोषी इकाई को स्थायी रूप से बंद नहीं किया जाता, और पिछली घटनाओं की जांच के निष्कर्षों को साझा करने की कोई ज़हमत नहीं उठाता।

कफ़सिरप को जहरीला बनाने वाले कारक अब सर्वविदित हैं : डाईइथालिन ग्लाइकॉल और इथाईलिन ग्लाइकॉल। इन दोनों जहरीले रसायनों के विषाक्त प्रभावों में पेटदर्द, उल्टी, दस्त, पेशाब करने में असमर्थता, सिरदर्द, मानसिक स्थिति में बदलाव और गुर्दे को गंभीर आघात शामिल हैं, जिससे मौत भी हो सकती है। ऐसा प्रतीत होता है कि कफ़ सिरप बनाते समय, खासकर प्रोपाइलिन ग्लाइकॉल और पॉलीइथाइलिन ग्लाइकॉल जैसे घटकों का उपयोग करने वाले सिरपों में, डाईइथालिन ग्लाइकॉल और इथाईलिन ग्लाइकॉलर रसायनों का उपयोग मिलते जुलते नामों में गफ्लत होने से हो जाता है। गाम्बिया, उज़्बेकिस्तान, कैमरून, इराक और अन्य देशों में 'भारत में निर्मित' उत्पादों के सेवन से दर्जनों बच्चों की मौत के बाद, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वहां के राष्ट्रीय नियामकों और स्वास्थ्य अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उनके देशों में ऐसे उत्पाद पाए जाते हैं, तो उसकी सूचना दें। एजेंसी ने राष्ट्रीय अधिकारियों को दवाओं के उपयोग से पहले उनकी उत्पादन सामग्री में डाईइथाइलिन ग्लाइकॉल की उपस्थिति की जांच करने की सलाह दी है। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में कफसिरप से हुई मौतों के लिए भी यही डाईइथाइलिन ग्लाईकॉल ज़िम्मेदार है।

रंज होता है कि कफ़ सिरप निर्माता इतने लापरवाह हैं कि उनके उत्पाद की सामग्री में घातक विषाक्त पदार्थ का उपयोग हो जाए। नि:संदेह, वे अनिवार्य शर्त यानी 'गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज' (जीएमपी) नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। अब या तो वे जीएमपी का पालन नहीं कर रहे या सरकार ने उन्हें लंबी रस्सी दे रखी है? जहरीली दवाओं से होने वाली हर मौत के बाद, जीएमपी लागू करने या उसे और सख्त बनाने की बात होती है। लेकिन जैसे ही अमल होने लगता है, लघु एवं मध्यम दवा निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संघ जीएमपी नियमों को लागू करने के लिए समय मांगते हैं या उनमें ढील देने की मांग करते हैं, यह बहाना बनाते हैं कि उनके पास मानदंडों को लागू करने लायक क्षमता नहीं है। सरकार भी इसलिए सहानुभूति रखती है, क्योंकि नियमों का सख्ती से पालन या अनुपालन न करने वाली इकाइयों के बंद होने पर उसके 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को धक्का लग सकता है। गाम्बिया में 68 बच्चों की मौत के बाद, भारतीय एजेंसियों ने तो उलटे विश्व स्वास्थ्य संगठन पर प्रक्रियाओं का पालन न करने का आरोप जड़ डाला और इसमें भारतीय निर्यात को बदनाम करने की साजिश देखी।

छिंदवाड़ा की घटना के बाद, भारतीय औषधि महानियंत्रक ने दवा निर्माताओं के लिए जीएमपी की संशोधित अनुसूची एम का पालन करने की आवश्यकता दोहराई है। उन्होंने कहा है कि 'कुछ कंपनियां, जिन्होंने बुनियादी ढांचा उन्नयन योजना के लिए सरकार के आवेदन किया है, उन्हें दिसंबर 2025 तक का समय दिया गया है' और राज्यों से संशोधित जीएमपी मानदंडों को सख्ती से लागू करने का आग्रह किया है। इसका अर्थ है कि अब तक भी, जीएमपी की नई अनुसूची पर अमल नहीं किया जा रहा।

कई देशों में भारत निर्मित कफ़ सिरप से हुई मौतों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मचे हंगामे के बाद, नई अनुसूची जारी की गई थी। यह बड़ी कंपनियों के लिए जून, 2024 में प्रभावी होनी थी, लेकिन लघु एवं मध्यम आकार के दवा उत्पादन (जिनका कारोबार 250 करोड़ रुपये से कम है) को दिसंबर, 2025 तक का समय दिया गया, जहरीले तत्त्वों वाली उक्त दवाएं अधिकांशत: ऐसी कंपनियों द्वारा ही बनी थीं। कारोबार की यह सीमा कुछ इस तरह से तय की गई है ताकि अधिकांश निर्माता इसके दायरे में आ सकें।

बिहार देश की सामाजिक न्याय और जाति व्यवस्था की प्रयोगशाला है

अजय दीक्षित

वैशाली, भगवान बुद्ध, नालंदा विश्वविद्यालय, माता सीता की मढ़ी ,सरीखे गौरवशाली इतिहास को समेटे भारत का पौराणिक कथाओं से भरपूर राज्य बिहार देश की जाति व्यवस्था और सामाजिक न्याय की प्रयोगशाला है। ब्रिटिश ने बंगाल के विभाजन के बाद 1911 में इसे स्थापित किया । मध्यकालीन भारत में बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय था जिसमें चीनी यात्री हैन संग के मुताबिक दस लाख पांडुलीपि थी जिनको 13 बी सदी में अलाउद्दीन खिलजी ने जलाकर नष्ट कर दिया था ।इन पांडुलीपि में प्राचीन भारत का इतिहास दर्ज था ।उससे पहले ईसा पूर्व 567 में भगवान बुद्ध को परम ज्ञान की अनुमति हुई थी ।गंगा, कोसी, ब्रह्मपुत्र नदी

के तीर में बसा बिहार आजादी के आंदोलनों का साक्षी रहा है। आजादी के बाद भारत में अगर जाति व्यवस्था को सामाजिक न्याय में बदला गया तो वह बिहार ही है । लीची, मखानों, आम, धान, उड़द, ग्वार, मूंगफली,गेहूं आलू का उत्पादन के लिए विख्यात बिहार में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बज रही है।

243 सदस्यीय बिहार विधानसभा का चुनाव 6 और 11 नवंबर होना है। राजनीतिक प्रवेक्षकों की माने तो जातियों के समूह तय करेंगे कि कौन सरकार बनाएगा। मुख्य मुकाबला बीजेपी, जेडीयू गठजोड़ यानि एनडीए और राजद कांग्रेस के महागठबंधन के बीच है।

राजद ने यादव मुस्लिम जातियों को आकर्षित कर रखा है

तो नीतीश कुमार ने अति पिछड़ी जातियों जैसे कोली, कुशवाह, निषाद, कुर्मी,धोबी,तथा अनुसूचित जातियों जैसे पासवान, धानुक, डिमरी, धाम,को अपना लक्ष्य बनाया है भारतीय जनता पार्टी ब्राह्मण, क्षत्रिय, बनिया,भूमिहार,पर नजर रखे है। कांग्रेस राजद के साथ है और 61 सीट पर चुनाव लड़ रही है जबकि राजद 127 सीट पर चुनाव में है।

ह्ष्ठ में बीजेपी जेडीयू 101 ,101 पर मैदान में हैं। चिराग पासवान की पार्टी 29, जीतन राम मांझी 6 पर लड़ रहे हैं।

पूरा चुनाव अभियान सभी पार्टियों का जाति व्यवस्था के आधार पर चल रहा है। अन्य राज्यों में जब चुनाव होते हैं तो विकास, क्षेत्र, भाषा, बोली मुद्दे होते हैं लेकिन बिहार में यह सब मुद्दे नदारत हैं। हां एक महिला सशक्तिकरण जरूर भारतीय जनता पार्टी ने मुद्दा बनाया है।

राजद नेता तेजस्वी यादव पूरे बिहार में घूम घूम कर यादव मुस्लिम का मजबूत स्थान दे रहे हैं। बिहार में 1952 प्रथम चुनाव से ही जाति गत राजनीत होती रही है। इसका कारण यह है कि ब्रिटिश राज्य में और उससे पहले मुस्लिम एरा में बड़ी जातियों ने छोटी जातियों का बहुत शोषण किया। जिसमें मंदिरों में प्रवेश, आवाज निकालकर निकलना, बेगारी, दासता, दैहिक शोषणों, महिलाओं की स्थिति, भयानक अशिक्षा, अंधविश्वास, जमींदारी प्रथा, जैसी समस्याओं से बिहार अभिशप्त रहा था। मुसलमानों के शासन में यही व्यवस्था बनी रही हालांकि ब्रिटिश ने कुछ सुधार किए मगर वे मन से और बहुत कम । इन परिस्थितियों के चलते पूरे निचले तबके में ऊंची जातियों के प्रति आक्रोश पनप रहा था और जब आजादी के बाद मताधिकार मिला तो वह गुस्सा फूट पड़ता है।

जीएसटी सुधार और भारतीय पर्यटन का नया सवेरा

भारत में पर्यटन का अर्थ हमेशा ही मनोरंजन से कहीं बढ़ कर रहा है – यह सभ्यताओं के बीच संवाद, विरासत का वाहक और समावेशी विकास का उत्प्रेरक है। फिर भी, दशकों से, लद्दाख के मठों से लेकर कन्याकुमारी के समुद्री तटों तक, हमारी अद्वितीय विविधता के बावजूद, इसकी पूरी क्षमता का दोहन करों के अलग-अलग ढांचे और उच्च लागत के कारण नहीं हो पाया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में हाल के सुधारों ने इस कहानी को अब बदलना शुरू कर दिया है। वर्षों से, भारत का पर्यटन और आतिथ्य उद्योग एक जटिल कर व्यवस्था के बोझ तले दबा रहा है। सेवा कर, वैट, विलासिता कर जैसे कई तरह के करों ने भ्रम उत्पन्न किया और यात्रा की लागत बढ़ा दी। जीएसटी लागू होने से करों में सरलीकरण तो हुआ था, लेकिन हाल ही में दरों का युक्तिसंगत बनाया जाना भारतीय पर्यटन को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में निर्णायक सिद्ध हुआ है।

गजेंद्र सिंह शेखावत

होटल के 7,500 रुपये से कम शुल्क वाले कमरों पर जीएसटी की दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना विशेष रूप से परिवर्तनकारी रहा है। मध्यम वर्गीय परिवार और कम खर्च में यात्रा करने वाले लोग, जो घरेलू पर्यटन की रीढ़ हैं, उनके लिए यात्रा अब अधिक किफायती हो गई है। उच्च अधिभोग दर, लंबे समय तक प्रवास और स्थानीय स्तर पर अधिक खर्च इसके प्रत्यक्ष परिणाम हैं। कम अनुपालन लागत से छोटे उद्यमियों और होमस्टे मालिकों के लिए लाभप्रदता में सुधार हुआ है और औपचारिकता को बढ़ावा मिला है। यह पर्यटन के विस्तार और स्थायित्व की दिशा में शांत लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव है।

पर्यटन कनेक्टिविटी के बल पर फलता-फूलता है। यात्री परिवहन पर, खासकर दस से ज़्यादा यात्रियों वाली बसों पर जीएसटी दर का 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे तीर्थयात्रियों, छात्रों और परिवारों के लिए अंतर-शहरी और समूह यात्राएँ ज़्यादा सुलभ हो गई हैं। हेरिटेज सर्किट, इको-टूरिज्म पार्क और ग्रामीण पर्यटन स्थलों में नई ऊर्जा देखने को मिल रही है।

यह सुधार सस्ते टिकटों की उपलब्धता से कहीं बढ़कर है—यह क्षेत्रों को जोड़ने, यात्रा को सबके लिए सुलभ बनाने और छोटे टूर ऑपरेटरों को अपना कारोबार बढ़ाने का अवसर देने से संबंधित है। भारत के लिए, जहाँ पर्यटन क्षेत्रीय समानता का एक सशक्त माध्यम है, वहीं किफायती यात्रा आर्थिक सशक्तिकरण का आधार है।

भारत का आकर्षण केवल उसके स्मारकों में ही नहीं, बल्कि उसकी जीवंत परंपराओं में भी निहित है। कला और हस्तशिल्प उत्पादों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से उस क्षेत्र को बढ़ावा मिला है जो लाखों कारीगरों के जीवनयापन का आधार है। स्थानीय बाज़ार में बिकने वाली हर हस्तनिर्मित कलाकृतियों पर भारत की सांस्कृतिक निरंतरता की छाप होती है।

करों में कमी किया जाना यहाँ महज़ आर्थिक पहल भर नहीं है—यह एक सांस्कृतिक निवेश है। आज पर्यटक प्रामाणिकता की तलाश में रहते हैं और जब वे हाथ से बुनी कांचीपुरम की साड़ी या चंदन की नक्काशीदार मूर्ति घर ले जाते हैं, तो वे भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था का एक हिस्सा अपने साथ ले जाते हैं। यह सुधार कारीगरों को सशक्त बनाता है, शिल्प समूहों को मज़बूत बनाता है और विरासत को विकास की कहानी का हिस्सा बनाता है।

संभवतः जीएसटी का सबसे स्थायी लाभ स्पष्टता है। छोटे होटल, होमस्टे और ट्रैवल एजेंसियाँ अब राज्य-विशिष्ट करों की भूलभुलैया के बजाय एक ही निर्धारित ढाँचे के भीतर काम करती हैं। इससे अनुपालन में सुधार होता है, निवेशकों का विश्वास बढ़ता है और नवाचार के लिए जगह बनती है।

औपचारिकीकरण उन हज़ारों छोटे ऑपरेटरों के लिए ऋण, बीमा और डिजिटल भुगतान तक पहुँच भी बनाता है, जो कभी अनौपचारिक रूप से काम किया करते थे। एक ऐसा क्षेत्र, जो अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक महिलाओं और युवाओं को रोजगार देता है, यह एकीकरण परिवर्तनकारी है। पर्यटन अब केवल फुर्सत के क्षणों में आनंद उठाने से संबंधित उद्योग मात्र ही नहीं रह गया है, बल्कि उद्यमिता और आजीविका का प्रेरक भी बन चुका है।

वैश्विक स्तर पर, पर्यटक किस जगह की यात्रा करेंगे, यह वहाँ की मूल्य की प्रतिस्पर्धात्मकता पर निर्भर करता है। वर्षों से, भारत थाईलैंड और वियतनाम जैसे दक्षिण-पूर्व एशियाई गंतव्यों से पीछे रहा है, जहाँ होटलों के कर की दर कम थी और शुल्क सरल थे। हाल ही में जीएसटी में बदलाव ने इस अंतर को कम कर दिया है। भारत अब वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी दरों पर—आयुर्वेदिक रिट्रीट से लेकर हेरिटेज होटल तक— विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करता है।

परिणाम स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। घरेलू पर्यटन रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुँच गया है और विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। क्रूज़, वेलनेस, फ़िल्म और आध्यात्मिक पर्यटन जैसे विशिष्ट क्षेत्रों का तेज़ी से विस्तार हो रहा है। स्वदेश दर्शन 2.0, प्रसाद और वाइब्रेंट विलेज जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार द्वारा चलाए जा रहे एकीकृत प्रयास बुनियादी ढाँचे, नीति और सामुदायिक भागीदारी को और बेहतर बना रहे हैं।

पर्यटन वर्तमान में भारत के जीडीपी में लगभग 5 प्रतिशत का योगदान देता है और 80 मिलियन से ज़्यादा लोगों की आजीविका का आधार है। निरंतर सुधारों और बुनियादी ढाँचे में निवेश के साथ, यह 2030 तक आसानी से दोगुना हो सकता है। पर्यटन गतिविधि में प्रत्येक प्रतिशत की वृद्धि से कई गुना लाभ उत्पन्न होते हैं, जिनमें —रोज़गार, स्थानीय उद्यम, महिला सशक्तिकरण और विभिन्न संस्कृतियों के बीच परस्पर समझ का विस्तार शामिल है ।

जीएसटी सुधार कोई अलग-थलग राजकोषीय उपाय नहीं हैं; ये इस दर्शन का प्रतिनिधित्व करते हैं कि कराधान बाधा न बने, बल्कि सबके लिए आसान हो। ये यात्रा को और अधिक किफायती, उद्यम को अधिक व्यावहारिक और पर्यटन स्थलों को अधिक आकर्षक बनाते हैं। ये अर्थव्यवस्था की नब्ज को लोगों के और करीब लाते हैं।

जिस प्रकार भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर अग्रसर है, विकसित भारत का सपना वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी और सांस्कृतिक रूप से सशक्त पर्यटन इको-सिस्टम के बिना अधूरा रहेगा। दुनिया भारत को नए सिरे से जान रही है—न केवल एक गंतव्य के रूप में, बल्कि एक ऐसे अनुभव के रूप में जो परंपरा का आधुनिकता के साथ, अर्थव्यवस्था का संवेदना के साथ सामंजस्य बिठाता है।

युक्तिसंगत जीएसटी, बेहतर कनेक्टिविटी, सशक्त कारीगरों और आत्मविश्वास से भरे उद्योग के साथ, भारत की पर्यटन गाथा इस दशक की सफलतम कहानियों में से एक बनने जा रही है - एक ऐसी कहानी जहां सुधारों का मेल पुनर्जागरण से होता है और हर यात्रा नए भारत के निर्माण में योगदान देती है।

प्रकृति व आध्यात्मिक चेतना के प्रति जिम्मेदारी समझें

प्राकृतिक सौंदर्य और पवित्रता से भरपूर तीर्थ स्थलों के हृदय क्षेत्र में सड़क, रोपवे और रिजोर्ट्स का निर्माण उचित नहीं है। प्रकृति की गोद में स्थित इन स्थलों का आदर्श एकांत और साधना का वातावरण रहा है, जहां तक पहुंचने के लिए थोड़ा श्रम करना तप के रूप में माना जाता था। हिमालय आज रुष्ट प्रतीत हो रहा है और अपनी विप्लवी हलचलों के माध्यम से मानवता को चेतावनी दे रहा है। इंसान ने हिमालय के साथ जो खिलवाड़ किया है, वह चिंताजनक और क्षोभ उत्पन्न करने वाला है। विकास के नाम पर इसके शिखरों, तलहटियों और गोद में अनियोजित योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जो हिमालय की प्राकृतिक विशेषताओं से मेल नहीं खातीं। इन कृत्यों में मानव की अदूरदर्शिता, लोभ, अहंकार और महत्वाकांक्षाएं प्रमुख रूप से दिखाई देती हैं, जो प्रकृति के प्रति न्यूनतम संवेदना की कमी को दर्शाती हैं।

वर्ष 2025 में प्रकृति ने हिमालय के हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर प्रांतों में विनाशकारी तांडव किया, जिसके भयावह परिणाम पंजाब और दिल्ली तक देखने को मिले और इसका असर प्रयागराज से बनारस तक फैला। यह घटना हिमालय की चेतावनी को सही साबित करती है और समय रहते उसकी संकेतों को समझने और आवश्यक सबक सीखने का संदेश देती है। हिमालय अब तक हमें पर्याप्त चेतावनी दे चुका है, और ऐसा लगता है कि अब वह सीधे कार्रवाई पर उतर चुका है।

ग्लोबल वार्मिंग और वैश्विक मौसम परिवर्तन जैसी घटनाओं में भले ही प्रभावित लोगों का सीधा हाथ न हो, लेकिन इनका नाम लेकर हम अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकते। अपनी बेवकूफ्यिों और अदूरदर्शिता को छुपाना या प्रकृति-विरोधी योजनाओं को विकास का रूप देना अब नहीं चल सकता। समय आत्मचिंतन, समीक्षा और ठोस सुधार का है। हमें प्रकृति और हिमालय के प्रति न्यूनतम संवेदना के साथ व्यवहार करने की आवश्यकता है। अन्यथा, भविष्य में प्रकृति के विकराल दंड से कोई भी बच नहीं सकता।

इस प्राकृतिक आपदा में जिनकी जान गई, उनकी आत्माओं के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए और उनके परिजनों के प्रति हार्दिक सांत्वना जाहिर की जाती है। सभी से यह निवेदन किया जाता है कि प्रकृति के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलें। भारतीय चिंतन में प्रकृति को मां के समान माना गया है, जो अपनी संतानों की रक्षा और पोषण करती है। हमें इस मां के प्रति कृतज्ञता और सम्मान के साथ काम करना चाहिए, ताकि उसकी कृपा हम पर बनी रहे। अगर हम प्रकृति को भोग्य वस्तु मानकर उसका अत्यधिक शोषण करते हैं, तो इसके नतीजे को भुगतने के लिए हमें तैयार रहना होगा। वर्ष 2025 में हिमालय क्षेत्र में शिव-शक्ति से जुड़े तीर्थस्थलों के आसपास प्राकृतिक आपदाएं अधिक आई हैं, जो एक स्पष्ट संकेत हैं कि प्रकृति रुष्ट है। प्रकृति की अधिष्ठात्री मां जगदम्बा और भगवान शिव रुष्ट हैं, और महाकाल-महाकाली अपना ताण्डव नृत्य करने के लिए विवश हो गए हैं। वे सृष्टि के संतुलन को बनाए रखने के लिए आवश्यक विध्वंस करने के लिए बाध्य हैं, जो हमें प्रकृति और आध्यात्मिक चेतना के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने का संदेश देता है।

वर्तमान में तीर्थ स्थलों को मानव ने पिकनिक स्पॉट और व्यापारिक केंद्र बना दिया है, जहां तीर्थयात्रियों को लूटने का कारोबार होता है, जो तीर्थ की गरिमा के अनुरूप नहीं है। बिना जीवन के सच्चे तप, सुधार और पात्रता के, मुफ्त में भगवान की कृपा की उम्मीद करना और तीर्थ स्थलों में गंदगी फैलाना, यह पूरी तरह से समझदारी के खिलाफहै। इस प्रकार का तीर्थाटन और चिन्हपूजा करना नादानी और नासमझी है, जो जीवन के मूल्यों की न्यूनतम समझ का भी अभाव दर्शाता है। भगवान की कृपा के लिए, व्यक्ति को अपने भीतर न्यूनतम पात्रता अर्जित करनी होती है, जो ईमानदारी, जिम्मेदारी और समझदारी पर आधारित होती है। गैरजिम्मेदार आचरण, बेईमानी और अहंकार से इसका कोई संबंध नहीं है।

प्राकृतिक सौंदर्य और पवित्रता से भरपूर तीर्थ स्थलों के हृदय क्षेत्र में सड़क, रोपवे और रिजोर्ट्स का निर्माण उचित नहीं है। प्रकृति की गोद में स्थित इन स्थलों का आदर्श एकांत और साधना का वातावरण रहा है, जहां तक पहुंचने के लिए थोड़ा श्रम करना तप के रूप में माना जाता था। जो लोग अशक्त हैं, उनके लिए कंडी और अन्य सेवाएं उपलब्ध होती हैं, जो स्थानीय लोगों के रोजगार का भी कारण बनती हैं। इस तरह की अव्यवस्थित विकास योजनाओं से इन स्थानों की पवित्रता और प्राकृतिक सौंदर्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

वर्ष 2025 के प्रकृति तांडव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नदियों और जल स्रोतों के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए, और इन्हें हल्के में लेने की भूल नहीं करनी चाहिए। इनकी राह में बस्तियां बसाना, मकान, होटल और रिजॉर्ट बनाना गलत है। अंग्रेजों ने अपने समय में जिन हिल स्टेशनों में निर्माण किए, वे आज भी प्रकृति के साथ तालमेल बनाए हुए सुरक्षित हैं।

एसओपी तैयार किया जाना बेहद जरुरी

तमिलनाडु के करूर जिले में एक रैली में भगदड़ मचने से 40 लोगों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। मरने वालों में 10 बच्चे और 16 महिलाएं शामिल हैं।

टीवीके के नेता और अभिनेता विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के करूर जिले में रैली की थी। विजय ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये का मुआवजा देंगे। घायलों को भी 2 लाख देने का ऐलान किया। हादसा उस समय हुआ जब हजारों समर्थक विजय के संबोधन को सुनने के लिए इकट्ठा थे।

कार्यक्रम स्थल पर भीड़ बढ़ती चली गई। इसी पुलिस ने एकाएक लाठीचार्ज कर दिया जिससे भगदड़ मच गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना को 'गंभीर और चिंताजनक' बताया। करूर नगर पुलिस ने टीवीके के नेताओं के समेत कई लोगों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया है। भगदड़ के कारणों को लेकर लोगों के अपने-अपने दावे हैं, और स्पष्ट नहीं है कि क्या गड़बड़ हुई; क्या आयोजन स्थल का चयन गलत होने से यह सब हुआ या फिर भीड़ के बेकाबू हो जाने से। कुछ लोगों का दावा है कि सभा स्थल पर भीड़ ने अवरोधक के लिए लगाए गए टिन शेड को गिरा दिया और कई लोग पास की फूस की छतों पर चढ़ गए जो उनका भार सहन नहीं कर सकीं और गिर गई। इस बीच स्थिति को काबू में लाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिससे भीड़ में फंसे बच्चों समेत अन्य लोग समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है। बेशक, यह घटना राजनीतिक आयोजनों में सुरक्षा में चूक की कमी को उजागर करती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एसओपी बनाई जानी चाहिए ताकि रैलियों में किसी तरह की भगदड़ न होने पाए। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि देश में पिछले कुछ समय में हुई ऐसी भगदड़ों के बाद भी सबक क्यों नहीं लिया गया राजनीतिक आयोजनों ही नहीं, बल्कि धार्मिक स्थलों और खेल के मैदानों में भी दर्शकों की भीड़ बेतहाशा बढ़ने पर इस प्रकार के हादसे की आशंका बराबर बनी रहती है। जरूरी है कि भीड़ के कारगर प्रबंधन के लिहाज से भी बंदोबस्ती में ध्यान रखा जाए।

लीवर कैंसर का उपचार

लीवर कैंसर, लीवर में असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि है। लीवर ऐसे तत्व उत्पन्न करता है जो रक्त का थक्का जमने में मदद करते हैं। विषैले तत्वों, दवाओं और अल्कोहल आदि को हटाता है। पित्त निर्मित करता है, जिससे शरीर को वसा और कोलेस्ट्रॉल अवशोषण में सहायता मिलती है।

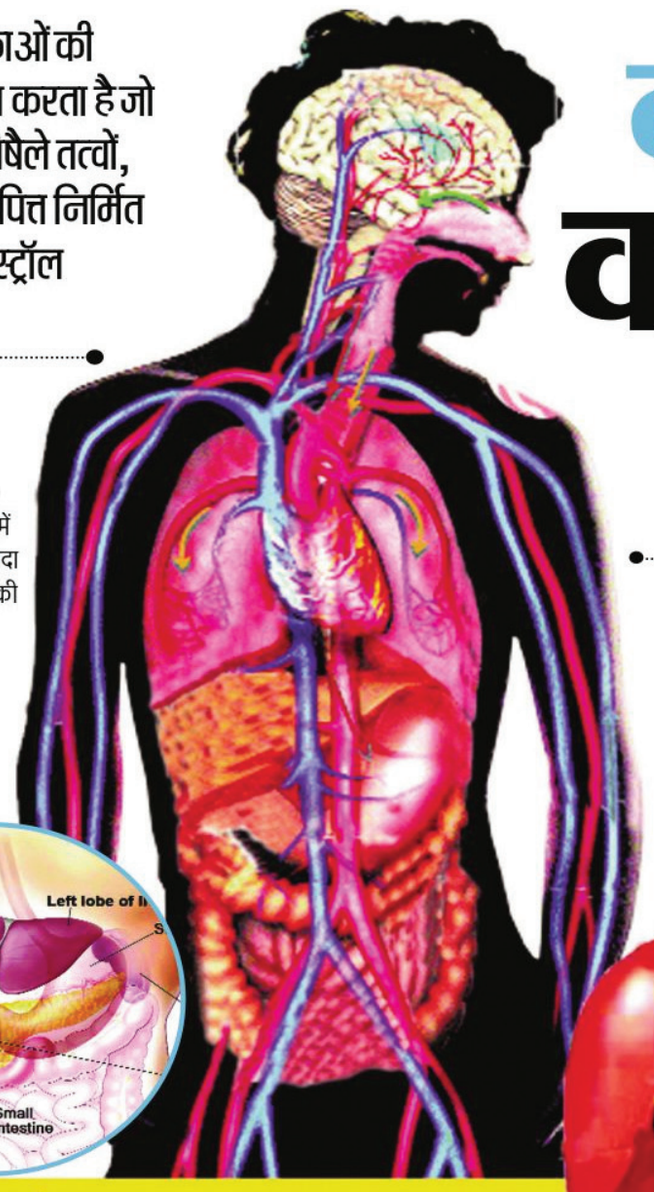

पुरुषों को बीमारी अधिक

यह संयुक्त राज्य और यूरोप में अपेक्षाकृत कम पाया जाता है। अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुमान के अनुसार, हर वर्ष 17,000 से अधिक लोगों में प्राइमरी लीवर कैंसर का निदान पाया जाता है। इनमें से अधिकतर की उम्र 40 वर्ष से अधिक होती है और 15,000 से ज्याादा लोगों की इस बीमारी से मृत्यु हो जाती है। संयुक्त राज्य में महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों में लीवर कैंसर के दोगुना मामले पाए जाते हैं।

कोशिकाएं फैलती हैं

संयुक्त राज्य में अधिकतर लीवर ट्यूमर, लीवर में अन्य अंगों मुख्य रूप से कोलोन, रेक्टिम, लंग, ब्रेस्ट, पैंक्रिया और स्टॅम से फैलते हैं। जब कोई कैंसर लीवर में अन्य कहीं से फैलता है तो कैंसर कोशिकाएं दोनों जगहों पर समान होती हैं। उदाहरण के लिए यदि फेफड़ों का कैंसर (लंग कैंसर) लीवर तक फैलता है तो लीवर में पाई जाने वाली कैंसर युक्त कोशिकाएं फेफड़ों में पाई गई कैंसरयुक्त कोशिकाओं के समान ही होती हैं। इस कारण व्यक्ति का उपचार लीवर कैंसर के लिए नहीं, बल्कि लंग कैंसर के लिए किया जाता है। लीवर कैंसर को डॉक्टन मेटॉस्टेटिक लंग कैंसर कह सकते हैं।

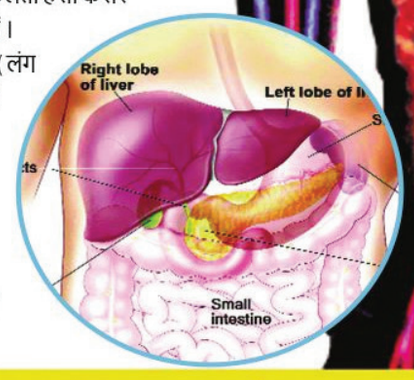

तीन प्रकार का लीवर कैंसर

प्राइमरी लीवर कैंसर के तीन मुख्य प्रकार हैं– हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा (हेपैटोमा या एचसीसी) हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा (हेपैटोमा या एचसीसी)। कोलनजियोकार्सिनोमा (बाइल डक्ट कैंसर)।

लीवर का कैंसर या तो लीवर में शुरू होता है या लीवर में शरीर के अन्य अंगों से फैलता है। प्राइमरी लीवर कैंसर सबसे ज्यादा पाया जाने वाला ठोस ट्यूमर है, जिसके एक मिलियन से अधिक मामलों का हर वर्ष निदान किया जाता है। इसमें 40 साल से अधिक उम्र के मरीजों की संख्या ज्यादा देखने को मिलती है। अगर आप भी इस बीमारी से ग्रस्त हैं तो आप डॉक्टर से उचित परामर्श लेकर इसका शीघ्र निदान करा सकते हैं।

जोखिम घटक

हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा के ज्यादातर मामलों में हेपैटाइटिस बी और हेपैटाइटिस-सी जिम्मेदार होते हैं। हेपैटाइटिस-ए में लीवर कैंसर पनपने का खतरा नहीं बढ़ाता। सिरोसिस, जिसमें लीवर की कोशिकाओं पर अनेक कारणों से दाग बन जाते हैं। संयुक्त राज्य में सिरोसिस का सबसे प्रचलित कारण हेपैटाइटिस-सी और अधिक मात्रा में शराब पीना है। संयुक्त राज्य में 50 से 70 प्रतिशत लीवर कैंसर के मामले सिरोसिस से जुड़े होते हैं। कुछ अध्ययनों में इसका संबंध हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा से पाया गया है।

इनसे बढ़ता है खतरा

इस प्रकार का कैंसर पनपने का खतरा बढ़ा देती हैं जिनमें शामिल हैं- पित्ताशय की पथरी (गॉलस्टोपन्सक), पित्ताशय दाह (गॉलब्लडेर इन्फ्लेमेशन) और कई बार क्रॉनिक अल्स रेटिव कोलाइटिस (लार्ज बावेल में इन्फ्लेपमेशन होना)।

एंजियोसरकोमा (हेमन्जियोसरकोमा) - यह लीवर कैंसर का बहुत कम पाया जाने वाला प्रकार है।

हेपैटोब्लॉस्टोनमा - यह दुर्लभ प्रकार का कैंसर, आमतौर से 4 वर्ष की उम्र से छोटे बच्चों में पाया जाता है।

लीवर कैंसर के लक्षण

बीमारी बढ़ जाने तक इसके लक्षण आमतौर से नहीं दिखते। लक्षणों में ये शामिल किए जा सकते हैं-

- वजन में अप्रत्याशित कमी आ जाना।
- ठीक से भूख न लगना।
- थोड़ा खाना खाने पर भी पेट भरा हुआ लगना।
- पेट के ऊपर या दाएं हिस्से में दर्द या सूजन का होना।
- त्वचा और आंखों पर पीलापन होना।
- लीवर का फैल जाना या लीवर के क्षेत्र में किसी पिंड का बनना।
- क्रॉनिक हेपैटाइटिस या सिरोसिस की समस्या गंभीर हो जाना।
- रक्त में शर्करा (ब्लड शुगर) कम होना।
- पुरुषों में स्तन वृद्धि होना।

लीवर कैंसर का निदान

लीवर कैंसर का पता तब लगता है, जब बीमारी का स्तर बढ़ जाता है। प्रारंभिक अवस्था में इसके लक्षण एकदम स्पष्ट नजर नहीं आते। डॉक्टर आपसे निम्न जांचें करा सकता है।

शारीरिक जांचें

वजन में कमी होने, कुपोषण, कमजोरी, लीवर का बढ़ना और इससे जुड़ी बीमारियां जैसे कि हेपैटाइटिस और सिरोसिस।

ब्लड टेस्ट

अल्फा-फेटोप्रोटीन नामक एक प्रोटीन के बढ़े हुए स्तर की जांच जिससे लीवर कैंसर का पता लग सकता है। कंप्यूटर का टेड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन, एक प्रक्रिया ट्यूमर की खोज और लोकेशन जानने के लिए जिसमें एक्स-रे और कंप्यूटर तकनीक का प्रयोग शरीर की अनुप्रस्थ (क्रॉस सेक्शूनल) छवियां निर्मित करने के लिए किया जाता है।

अल्ट्रा साउंड से जांचें

इसका उपयोग लीवर कैंसर की खोज और कैंसर युक्त (मैलिग्नेंथट) तथा कैंसर रहित (सामान्य) ट्यूमरों में अंतर के लिए किया जाता है।

डॉक्टर से कब संपर्क करें

यदि आपमें लीवर कैंसर का कोई भी लक्षण है तो अपने डॉक्टर से संपर्क करें। मुख्य लक्षण ये हैं- थकान, हल्का बुखार, त्वचा और आंखों का पीलापन (जांडिस), मांसपेशियों या जोड़ों का दर्द, मतली आना, मूत्र का गाढ़ा रंग, उल्टी होना, भूख न लगना और पेट में दर्द या सूजन आने पर आप डॉक्टर से परामर्श लेकर चिकित्सा करा सकते हैं।

लीवर कैंसर की चिकित्सा

उपचार कई कारकों पर निर्भर करता है जैसे कैंसर का स्तर, आपकी उम्र और आपका सामान्य स्वास्थ्य। सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी और कीमोथेरेपी प्रमुख उपचार विकल्प हैं। प्राय: इन तीनों को एक साथ मिलाकर उपयोग किया जाता है। सामान्यत: कोई अकेला ट्यूमर कैंसर जो लिम्फ नोड्स या दूसरे अंगों तक फैला नहीं हो, उसे सर्जरी से निकाला जा सकता है। हालांकि इस शुरुआती अवस्था में कम ही लीवर कैंसरों का पता लग पाता है। कुछ मामलों में, यकृत प्रत्यारोपण पर विचार किया जा सकता है। इसमें ट्यूमर्स की समस्या भी होती है। इसके अलावा कई तकलीफें साथ में बढ़ती जाती हैं।

उम्र बढ़ना एक एक प्राकृतिक और अपरिहार्य प्रक्रिया है, जिसे इंसान को हर हाल में स्वीकार करना होता है। उम्र बढ़ने के साथ ही आपके संपूर्ण स्वास्थ्य और जीवन में बहुत से बदलाव आते है, जिसे स्वीकार कर उसके अनुकूल अपने आप को ढालना पड़ता है।

बुढ़ापे की समस्याएं

शरीर में होने वाले बदलावों में विशेष तौर पर सेक्स क्षमता में कमी और मांस-पेशियों में बदलाव आता है। इसलिए आपको इसे स्वीकार कर इस परिवर्तन के साथ ही जीना पड़ेगा।

साध लेते हैं चुप्पी

अक्सर आदमी स्वास्थ्य संबंधी चर्चा होने पर चुप्पी साध लेता है। भावनाओं को दबाने से उसके दिमाग में एक तरह का भावनात्मक हलचल होता है और इससे तनाव, निराशा और चिंता में वृद्धि होती है। अपने घरेलू व अन्य समस्याओं का हल ढूंढ़ने और उस पर सलाह-मशविरा करने के लिए अपने खास लोगों के साथ उसे शेयर करना चाहिए। अपनी भावनाओं को इस तरह दूसरे लोगों के साथ शेयर करने से व्यक्ति अपनी बढ़ती आयु से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से छुटकारा पा जाता है।

सकारात्मक सोचें

जीवन के प्रति हमेशा सकारात्मक सोच रखें और जीवन के मध्य अवस्था का सामना करने के लिए मानसिक तौर पर पहले से ही तैयारी कर लें। उम्र बढ़ने के साथ स्वास्थ्य में कई तरह का परिवर्तन होता है और इससे व्यक्ति के सेक्सुअल प्रदर्शन पर भी असर दिखने लगता है, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति अपने आप को असक्षम और अयोग्य समझने लगता है और एक तरह से हीन भावना से ग्रस्त हो जाता है। व्यक्ति में आत्मसम्मान में कमी, तनाव और निराशा जैसी बहुत सी बीमारियां मनौवैज्ञानिक समस्याओं के कारण पैदा होती हैं, जो आदमी के सेक्सुअल स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ ही, उसके संपूर्ण स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं।

शेयर करें समस्याएं

व्यक्ति को चाहिए की अपनी पत्नी के साथ अपनी समस्याओं को शेयर करे। संभव है कि वह उन समस्याओं का हल ढूंढ़ने के लिए कोई उपाय बताए और इससे तनाव और निराशा की स्थिति से निकलने में मदद मिले।

भरपूर लें आहार

हमेशा पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें और नियमित रूप से भोजन करें। प्रोसेस्ड और फैटी भोजन करने से परेहज करें और इसके बदले में प्रचुर मात्रा में ताजे फल और फाइबर युक्त आहार का सेवन करें।

एक्सरसाइज जरूरी

हर आयु में नियमित रूप से एक्सरसाइज करना जरूरी होता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज कर अपनी ऊर्जा नष्ट नहीं कर हल्का-फुल्का एक्सरसाइज करना चाहिए। इससे शरीर के साथ दिमाग पर भी अच्छा प्रभाव पड़ता है।

ये भी रखें ध्यान

अपने वजन को हमेशा नियंत्रण में रखें। मोटापा एक साथ कई बीमारियों को निमंत्रण देता है। भोजन में पोषक तत्वों की कमी और कुपोषण से बचने के लिए मल्टीविटामिन्स और सप्लीमेंट लें। शरीर में किसी भी तरह का असहजता महसूस होने पर तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें। जीवन में काम-काजी बने, कुछ न कुछ शारीरिक श्रम अवश्य करते रहें।

युवाओं के दिल पर अटैक!

जवानी में तमाम लोगों के दिलों पर अटैक होता है, लेकिन आजकल के युवा हार्ट अटैक के भी शिकार हो रहे हैं। एक नई स्टडी में पता लगा है कि कम उम्र में इसके सबसे ज्यादा शिकार भारतीय युवा ही हैं।

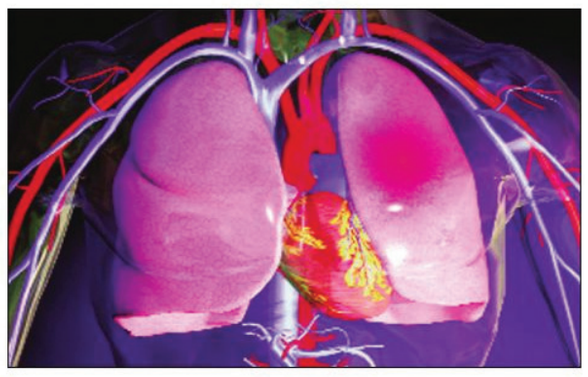

एक नए शोध से पता चलता है कि डिवेलप्ड कंट्रीज में जिस उम्र में हार्ट अटैक होता है, हमारे देश के लोग उसके 10 से 15 साल पहले इसके शिकार हो जाते हैं। गौरतलब है कि डिवेलप्ड कंट्रीज में 70 पर्सेंट हार्ट अटैक जहां 70 की उम्र के बाद होते हैं, वहीं हमारे देश में दो-तिहाई हार्ट अटैक 60 से कम उम्र वालों को होते हैं। हाल ही में आई एक स्टडी के मुताबिक, अब 30-40 की एज ग्रुप वालों का दिल भी सेफ नहीं है। मेडिकल साइंस की भाषा में यह एक्सट्रीमली प्रिमैच्योर स्टेज है।

दिल चाहता है नींद

हार्ट प्रॉब्लम की एक बड़ी वजह यंग इंडिया में नींद में कमी भी है। यंग प्रोफेशनल्स अक्सर अपनी नींद पूरी नहीं करते। अगर वे सोते भी हैं, तो उनका दिमाग अगले दिन के लिए चलता रहता है। दिनभर जो कुछ हुआ, वे उसे सोचते हैं और फिर दिमाग में अगले दिन की प्लानिंग चलती रहती है। इन सबके बीच कंफर्टेबल नींद का तो खात्मा ही हो जाता है। अच्छी नींद जरूरी है, आधी-अधूरी नहीं। जैसे कि रात को भी फोन बज रहा है, एसएमएस पढ़ रहे हैं। नींद की कमी से स्टैमिना खत्म होने लगता है और धड़कन तेज होने लगती है। बिजी लाइफस्टाइल की वजह से यूथ एक्सरसाइज भी नहीं कर पाते। इससे ब्लड प्रेशर भी बढ़ता है।

खासकर कॉल सेंटर जैसी नाइट शिफ्ट जॉब करने वालों की हालत तो और भी ज्यादा खराब है। वैसे तो उनके पास सोने के लिए दिन होता है, लेकिन तब वे दूसरे कामों में लगे रहते हैं और बस 2-4 घंटे की ही नींद लेते हैं। बकौल डॉ. चानना, हार्ट के लिए अच्छी नींद बेहद जरूरी है। यही वजह है कि आजकल 25, 28 और 32 साल की उम्र में हार्ट अटैक हो रहे हैं। नींद के लिए टाइम तो निकालना ही पड़ता है। लेकिन जब तक मेंटली फ्री नहीं होंगे, तब तक अच्छी नींद कैसे आएगी? रिसर्च बताती है कि 6 घंटे से कम सोने वालों को हार्ट अटैक होने की आशंका ज्यादा रहती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि नींद पूरी लेनी चाहिए।

मस्ती से आठ घंटे सोएं

एक्सपर्ट्स का मानना है कि 6 घंटे की नींद बेहद जरूरी है, लेकिन अगर आप चाहते हैं कि नेक्स्ट डे का काम फ्रेश होकर करें, तो 8 घंटे मस्ती से सोएं। लेकिन इसमें मेडिकेशन का स्कोप कम है और लाइफ स्टाइल इंप्रूवमेंट का रोल ज्यादा है। आपकी डाइट और मेंटल बैलेंस सब मिलकर ही अच्छी नींद देंगे। अगर आप रात को 11 बजे ओवरइटिंग करते हैं, तो आपको अच्छी नींद कहां से आएगी। गौरतलब है कि जो लोग ज्यादा सोते हैं, उनका दिल भी अच्छी हालत में नहीं रहता। लेकिन यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि ज्यादा देर तक सोना अक्सर

फ्रैगमेंटेड स्लीप होता है। नींद पूरी न होने के कारण ही लोग देर तक सोते रहते हैं। इसलिए स्लीप क्वालिटी मेंटेन करने पर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा स्नोरिंग पर भी नजर रखने की जरूरत है। जो लोग ज्यादा खर्राटे लेते हैं, उन्हें अपनी स्लीप स्टडी करानी चाहिए।

सिमटे रहने से दिल सेफ नहीं

एक ओपन हार्ट सर्जरी इंस्टीट्यूट के बाहर लिखा था, दिल खोल लेते अपना अगर यारों के साथ, तो आज न खोलना पड़ता औजारों के साथ ...। जी हां, अपने आप में सिमटे रहने से भी दिल सेफ नहीं रहता। क्योंकि इससे स्ट्रेस मैनेज नहीं हो पाता। इन दिनों 28 से लेकर 40 तक उम्र वाले हार्ट पेशंट ज्यादा हैं। इसका मेन रीजन यह माना जाता है कि हमारा जेनेटिक मेकअप ही ऐसा है। लेकिन यहां सवाल यह भी उठता है कि अगर जेनेटिक रीजन है, तो पहले यह प्रॉब्लम क्यों नहीं थी? दरअसल, पहले, दूसरे फैक्टर्स कंट्रोल में थे। डाइट और स्ट्रेस में ऐसा असंतुलन नहीं था। अब वेजिटेबल इनटेक कम हो गया है। सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं, बल्कि छोटे शहरों में भी फिजिकल एक्टिविटीज कम होती जा रही है। ऐसे में यंगस्टर्स के लिए जरूरी है कि वे स्मोकिंग पर चेक रखें। रेग्युलर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल चेक कराएं। हर हाल में मेंटल स्ट्रेस कम करें। ग्रुप्स में मिलना और आपस में चीजों को शेयर करना जरूरी है। वर्कप्लेस में भी ग्रुप में घुले-मिलें।

हार्ट अटैक की दो अवस्थाएं

यंग हार्ट अटैक की दो कैटेगिरीज हैं। एक वह जिनके पैरेंट्स को भी यंग एज में हार्ट अटैक की प्रॉब्लम हुई थी। दूसरे वे जो अपनी बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल के चलते इसकी चपेट में आए। वजह चाहे जो भी हो, यूथ को अपने हार्ट की हेल्थ के लिए पहले से ही एक्टिव हो जाना चाहिए। अगर हेरेडिटरी प्रॉब्लम है, तो 40 की उम्र होते ही रेग्यूलर हेल्थ चेकअप कराना चाहिए। ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल का चेकअप बेहद जरूरी है। इन सबके अलावा यूथ में हार्ट अटैक के लिए स्मोकिंग भी जिम्मेदार है। रॉन्ग इटिंग हैबिट्स भी दिल को बीमार कर सकता है।

जंक फूड में ट्रांस फैटी एसिड

जंक फूड में ट्रांस फैटी एसिड होते हैं, जो हार्ट के लिए नुकसानदायक होते हैं। पिज्जा और बर्गर जैसे फूड की बजाय फ्रेश ग्रीन वेजिटेबल्स और कलरफुल फ्रूट्स खाना बेहतर रहेगा। दिनभर में कम से कम 5 बार कलरफुल फ्रूट्स और सलाद लें। दरअसल, इनमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करते हैं। इसके अलावा ऑलमंड और वॉलनट जैसे हेल्दी नट्स की 40-50 ग्राम क्वांटिटी हर रोज लेना चाहिए। दूसरे हर समय मोबाइल और कंप्यूटर से जुड़े रहने की वजह से यूथ की फिजिकल एक्टिविटी बहुत कम हो गई है। ऐसे में हफ्ते में पांच दिन 3-4 मील पैदल चलना फायदेमंद रहेगा। हर रोज 30-40 मिनट की ब्रिस्क वॉकिंग या वर्कआउट भी रुटीन में शामिल होना चाहिए।

रिस्क फैक्टर

- ओबेसिटी
- स्लीप डिस्ऑर्डर
- डायबिटीज
- एक्सरसाइज में कमी
- हाई कोलेस्ट्रॉल
- स्मोकिंग
- स्ट्रेस

यह भी करें

- हार्ट एक मसल है, इसलिए प्रोटीन रिच डाइट लें।
- स्ट्रेंथ बिल्डिंग एक्सरसाइज भी जरूरी है।
- हार्ट-स्पेसिफिक न्यूट्रिएंट्स लें।
- ग्रुप्स में घुले-मिलें। इससे स्ट्रेस कम होता है।

फाउंडेशन मेकअप का बेस, चमकाए फेस

मेकअप बेस के तौर पर फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे पर आए कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। पर इसका सही इफेक्ट तभी आता है, जब यह सही तरीके से लगाया जाए। आइए समझते हैं फाउंडेशन की एबीसीडी।

मेकअप बेस के रूप में फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे की त्वचा चिकनी और समतल बनती है तथा मेकअप को अधिक देर तक रखने के लिए भी फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। यह मेकअप का आधार होने के साथ-साथ त्वचा की रक्षा भी करता है और इसके इस्तेमाल से कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं।

फाउंडेशन लगाने का सही तरीका फाउंडेशन लगाने से पहले चेहरे और गर्दन की त्वचा को क्लींजिंग क्रीम या लोशन से साफ करें। उसके बाद रुई की मदद से चेहरे और गर्दन पर फाउंडेशन लगाना चाहिए। या फिर अपने चेहरे के विभिन्न हिस्सों पर फाउंडेशन को डॉट्स की तरह लगाएं। फिर अपनी अंगुलियों या गीले स्पंज से चेहरे पर अंदर से बाहर की ओर हल्के से मसाज करते हुए फाउंडेशन को मिलाएं। तैलीय त्वचा पर फाउंडेशन लगाने से पहले रुई से एस्ट्रिंजेंट लोशन लगाएं। और फिर कुछ देर बाद फाउंडेशन लगाएं। एस्ट्रिंजेंट लोशन से त्वचा की चिकनाई दूर होती है। इसी तरह ड्राई स्किन पर फाउंडेशन लगाने से पहले ग्लिसरीन या मॉइश्चराइजर पूरे चेहरे पर लगाना चाहिए। सामान्य त्वचा के लिए कोई भी फाउंडेशन चल सकता है, मगर ऑयली त्वचा के लिए वॉटर बेस्ड और शुष्क त्वचा के लिए मॉइश्चराइजर फाउंडेशन अच्छा होता है। आपकी स्किन ड्राई है, तो फाउंडेशन में दो-तीन बूंद पानी मिलाकर चेहर पर लगाएं। चेहरे पर फाउंडेशन अधिक न लगाकर उचित मात्रा में ही लगाएं। फाउंडेशन लगाने के बाद टिश्यू पेपर से उसे इकसार कर लें और थोड़ी देर सूखने दें। उसके बाद उस पर फेस पाउडर लगाएं। रात और दिन के हिसाब से फाउंडेशन का चयन करना उचित होता है। इसमें गोल्ड फाउंडेशन नाइट पार्टी के लिए सही होता है।

फाउंडेशन का चुनाव

फाउंडेशन का मतलब सिर्फ त्वचा के रंग को बदलना ही नहीं होता, बल्कि त्वचा के निकटतम रंग से मैच करना होता है। इसलिए फाउंडेशन का चुनाव अपने चेहरे के रंग के अनुसार ही करें। इनका चुनाव आप अपनी स्किन को ध्यान में रखकर कर सकती हैं। बाजार में फाउंडेशन कई रूपों में उपलब्ध हैं, जैसे लिक्विड, क्रीम, स्टिक, पाउडर फॉर्म में। यदि कोई दुविधा हो, तो ब्यूटी एक्सपर्ट से पूछने में जरा भी न हिचकें। गर्मियों में पैनस्टिक या केक फाउंडेशन हार्ड हो जाते हैं। इस स्थिति में फाउंडेशन लगाने से पहले थोड़ा पानी मिलाएं।

कैसे लगाएं

फाउंडेशन से न सिर्फ चेहरे को आकर्षक बनाया जाता है, बल्कि इससे चेहरे की बनावट में भी बदलाव लाया जा सकता है। मगर यह तभी संभव है, जब आप इसे लगाना जानती हों। फाउंडेशन सिर्फ चेहरे पर ही नहीं, बल्कि गर्दन और कान के हिस्से पर भी एकसार लगाएं। अगर चेहरा गोल हो, तो उस पर गहरे रंग का फाउंडेशन लगाएं। यदि फेस स्क्वायर या डायमंड शेप है, तो जबड़े और ठोड़ी पर गहरे रंग का फाउंडेशन तथा शेष चेहरे पर उससे हल्के रंग का फाउंडेशन लगाएं। यदि आंखों के नीचे की त्वचा का रंग हल्का है, तो यहां गहरे रंग का फाउंडेशन लगाना चाहिए। आंखों के नीचे काले निशान या झांइयां होने की स्थिति में वहां हल्के रंग का फाउंडेशन लगाएं। चौड़ी नाक को पतला दिखाना हो, तो बाकी चेहरे की तुलना में नाक के दोनों ओर गहरे रंग का फाउंडेशन लगाएं। अगर गालों की हड्डियां उभरी हुई हों, तो उसके नीचे गहरे रंग का फाउंडेशन लगाएं। फाउंडेशन लगाने के बाद चेहरे पर फेस-पाउडर लगाना चाहिए। पाउडर फाउंडेशन के शेड का अथवा उससे एक शेड हल्का लगाना चाहिए। फाउंडेशन की तरह ही फेस पाउडर अनेक रंगों में उपलब्ध है। इसलिए इसका चुनाव त्वचा के रंग और फाउंडेशन के शेड के अनुसार ही करें।

नैचुरल है इसलिए खूबसूरत है

अगर बीते कुछ सालों की बात करें, तो स्वास्थ्य और सौंदर्य के क्षेत्र में हर्बल और ऑर्गेनिक उत्पादों के प्रति लोगों का रुझान काफी बढ़ा है। इसका कारण भी साफ है, ऐसे प्रोडक्ट्स का त्वचा पर किसी तरह का साइड इफेक्ट नहीं होता। इसलिए यह स्किन फ्रेंडली भी है। एक सर्वे के अनुसार महिलाएं एक दिन में लगभग 12 तरह के कॉस्मेटिक्स यूज करती हैं, जिसमें लगभग 175 तरह के केमिकल होते हैं। इनके नियमित इस्तेमाल से त्वचा संबंधी कई समस्याएं होती हैं, क्योंकि जो भी कॉस्मेटिक्स हम इस्तेमाल करते हैं, उनमें से 68 फीसदी हिस्सा हमारी त्वचा सोख लेती है। ऐसे में साइड इफेक्ट्स से बचने के लिए नैचुरल कॉस्मेटिक्स सबसे बेहतर विकल्प हैं। ये त्वचा की खूबसूरती को बढ़ाकर उसे जवां बनाए रखते हैं।

क्या है आर्गेनिक प्रोडक्ट

नैचुरल अथवा ऑर्गेनिक कॉस्मेटिक्स उन्हें कहा जाता है, जिनके निर्माण में किसी भी तरह के केमिकल तत्व या गंध का उपयोग नहीं होता। संवेदनशील त्वचा वालों के लिए इस तरह के कॉस्मेटिक्स सबसे बेहतर हैं। प्राकृतिक चीजों से बने होने के कारण ये कॉस्मेटिक्स प्राकृतिक गुणों और पौष्टिक तत्वों से भरपूर होते हैं।

प्राकृतिक चमक खोने लगी है

उम्र बढ़ने के साथ ही त्वचा अपनी प्राकृतिक चमक खोने लगती है। ऐसे में प्राकृतिक उत्पाद त्वचा के प्राकृतिक तत्वों का क्षरण रोक त्वचा को चमकदार व लचीला बनाते हैं। ऐसे प्रोडक्ट से एलर्जी व रिएक्शन का खतरा कम होता है, क्योंकि प्राकृतिक उत्पादों से हमारी त्वचा और शरीर की केमिस्ट्री के बीच सामंजस्य बना रहता है।

लंबी-लंबी बात स्किन न कर दे खराब

अनचाहे मुंहासों से आपके चेहरे की खूबसूरती छिन जाती है। यही नहीं, ये जाते-जाते आपके चेहरे पर हमेशा के लिए निशान भी छोड़ जाते हैं। नेहा भी पिछले काफी समय से मुंहासों से परेशान थी। औरों की तरह वो भी सजना-संवरना चाहती थी, मगर मुंहासों की वजह से शोभा ऐसा नहीं कर पाती थी। घरेलू दवा से जब कोई फायदा नहीं मिला, तो नेहा ने स्किन के डॉक्टर से संपर्क किया। तब नेहा को पता चला कि उसके मुंहासों की वजह हारमोनल डिस्बैलेंस या खानपान नहीं है, बल्कि सेलफोन है। बेशक यह चौंकाने वाली बात है। पर शोधों की मानें, तो सेलफोन के लगातार इस्तेमाल से त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं।

कैसे करता है स्किन को डैमेज

मोबाइल से कृत्रिम इलैक्ट्रो-मैग्नेटिक तरंगें (एईडब्ल्यू) निकलती हैं, जिससे त्वचा के टिश्यू गर्म हो जाते हैं। फिनलैंड के एक अध्ययन के अनुसार इससे त्वचा के प्रोटीन की संरचना खराब हो जाती हैं। इसके चलते त्वचा पर झुर्रियां नजर आने लगती है। जिससे असमय अधिक उम्र भी दिखने का अंदेशा भी जताया जा रहा है।

क्या है मोबाइल फोन डर्मेटाइटिस

सेलफोन के टचस्क्रीन और की-पैड में ढेर सारे बैक्टीरिया होते हैं, जो पहले आपकी अंगुलियों पर, फिर चेहरे पर आ जाते हैं। ये धूलकण त्वचा के रोम छिद्रों को जाम कर देते हैं, जिसकी वजह से त्वचा संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। हालांकि यह समस्या लंबे समय तक मोबाइल फोन पर लगे रहने के कारण ही उत्पन्न होती है। सेलफोन से होने वाली इस समस्या को 'मोबाइल फोन डर्मेटाइटिस' कहते हैं, जो मोबाइल फोन के हैंडसेट में मौजूद निकेल की प्रतिकूल प्रतिक्रिया का परिणाम है।

साबूदाना खिचड़ी

सामग्री

साबूदाना - 150 ग्राम, तेल या घी - 1।5 टेबल स्पून, हींग - 1 पिंच, जीरा - आधा छोटी चम्मच, हरी मिर्च - 2 (बारीक कतरी हुई), मूंगफली के दाने - 1 टेबल स्पून,पनीर - 70 ग्राम (यदि आप चाहें), आलू - 1 मीडियम आकार का, अदरक - 1 इंच का टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ), नमक - स्वादानुसार,कसा हुआ नारियल - 1 टेबल स्पून (यदि आप चाहें), हरा धनियां - 1 टेबल स्पून (बारीक कतरा हुआ)

बनाने की विधि

साबूदाने को धो कर, 1 घंटे के लिये पानी में भीगने दीजिये। भीगने के बाद अतिरिक्त पानी निकाल दीजिये। यदि आप बड़े साबूदाना प्रयोग कर रहे हैं तो इसे 1 घंटा भिगोने के बजाय लगभग 8 घंटे भिगोये रखें।आलू को छील कर धीइये और छोटे छोटे क्यूब्स में काट लीजिये। पनीर को भी छोटे छोटे क्यूब्स में काट लीजिये। भारी तले की कढ़ाई में घी डाल कर गरम कीजिये। आलू के क्यूब्स गरम घी में डाल कर हल्के ब्राउन होने तक तल कर निकाल कर प्लेट में रख लीजिये। आलू के क्यूब्स तलने के बाद पनीर के क्यूब्स डाल कर हल्के ब्राउन तल कर उसी प्लेट में निकाल कर रखिये। मूंगफली के दाने को मोटा चूरा कर लीजिये इसे दरेरा करें एकदम बारीक चूरा न करें बचे हुये गरम घी में हींग और जीरा डाल दीजिये। जीरा भुनने के बाद, हरी मिर्च और अदरक डाल दीजिये, और चमचे से मसाले को चलाइये, इस मसाले मे मुंगफली का चूरा डाल कर एक मिनिट तक भूनिये। अब साबूदाना, नमक और काली मिर्च डाल कर अच्छी तरह 2 मिनिट चमचे से चला कर भूनिये। 2 टेबल स्पून पानी डाल कर धीमी गैस पर 7-8 मिनिट तक पकाइये, ढक्कन खोलिये और देखिये कि साबूदाने नरम हो गये है। यदि नहीं हुये हैं, और आपको महसूस हो कि अभी साबूदाने पकने के लिए और पानी चाहिये, तब 1 या 2 टेबल स्पून पानी डाल कर 4-5 मिनिट धीमी गैस पर और पकने दीजिये। आलू और पनीर के क्यूब्स मिला दीजिये। और चलाकर कढ़ाई को गैस से उतार लीजिये साबूदाना की खिचड़ी को प्याले या प्लेट में निकालिये। हरा धनियां नारियल ऊपर से डाल कर सजाइये।

वेजिटेबिल खिचड़ी

सामग्री

चावल - एक कटोरी, मूंग की दाल - आधा कटोरी, आलू - 2 (छोटे टुकड़ों में कटे हुये), शिमला मिर्च - 1 (छोटे टुकड़ों में कटे हुये), मटर - आधा कटोरी (छिली हुई), हरी मिर्च - 2 (बारीक कटी हुई), अदरक - 1 इंच लम्बा टुकड़ा (कद्दू कस कर लें), देशी घी - 1 या 2 (बड़े चम्मच, आपकी इच्छा के अनुसार), हींग - 1-2 पिंच, जीरा - आधा छोटा चम्मच, काली मिर्च - 4-6 (दरदरी कूट लीजिये), लोंग - 4 (दरदरी कूट लीजिये), हल्दी - 1/6, छोटी चम्मच, नमक - स्वादानुसार, हरा धनियां - एक टेबिल स्पून (कटा हुआ)

बनाने की विधि

चावल ओर दाल को साफ करें, और अच्छी तरह धो कर, 1 घंटे के लिये पानी में भिगो दें। सभी सब्जियां धो कर काट ली गयीं हैं। कुकर में घी डाल कर गरम करें। अब गरम घी में हींग और जीरा डाल दीजिये। जीरा ब्राउन होने के बाद, काली मिर्च, लोंग, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च, अदरक डाल दें। 3-4 बार चमचे से चलायें, अब इस मसाले में सारी सब्जियाँ डाल दीजिये। सब्जियों को 2-3 मिनिट चमचे से चला चला कर भूनिये। अब दाल और चावल डाल दें। 2-3 मिनट तक चमचे से चलाते हुये भूनें। जिस कटोरी से आपने दाल चावल नापे हैं, उसी से नाप कर पांच गुना पानी डाल दीजिये। (दाल चावल 1 1/2 कटोरी है, तो पानी 7 1/2 कटोरी डाल दीजिये) साथ ही स्वादानुसार नमक भी डाल दीजिये। कुकर बन्द कर दीजिये। जैसे ही एक सीटी आये, तुरन्त गैस बन्द कर दीजिये। कुकर की सीटी चमचे की सहायता से ऊपर करके, कुकर का प्रेसर आधा निकाल दीजिये। 4 - 5 मिनिट बाद जब कुकर का प्रेशर खतम हो जाय, कुकर खोलिये। आपकी वेजिटेविल खिचड़ी तैयार हो चुकी है। खिचड़ी को बड़े बाउल में निकाल लें। हरा धनियां ऊपर से डालकर सजायें। गरमा गरम वेज खिचड़ी में मक्खन डाल कर परोसे और साथ में दही, अचार या हरे धनिये की चटनी भी रखें।

रवा खिचड़ी

सामग्री

250 ग्राम रवा (सूजी), 1 गाजर, 30 ग्राम फलिया, 50 ग्राम मटर, घी, 1 प्याज, 1 टमाटर, 1 नींबू का रस, नमक स्वादानुसार, 5 हरी मिर्च, 5 ग्राम अदरक, 1 टी स्पून जीरा, 2 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 कप हरा धनिया, 1 टी स्पून सरसों के दाने, 10 ग्राम उड़द और चने की दाल। कितने लोगों के लिए : 5

बनाने की विधि

एक पैन में तेल गरम करें जब तेल गरम हो जाए तो उसमें सरसों के दाने उड़द और चने की दाल डालकर फ्राई करें। जब दाल ब्राउन हो जाए तो उसमें बारीक कटा अदरक, जीरा और करी पत्ता डाल दें। अब इसमें प्याज, हरी मिर्च डाल दें जब प्याज और हरी मिर्च ब्राउन हो जाए तो इसमें टमाटर भी डाल दें। अब इसमें कटी हुई सब्जी डालकर फ्राई करें। रवा भी डाल दें और अच्छी तरह भून लें। नमक और 2 कप गरम पानी डालकर ढक्कन लगाकर पकने दें। 3 मिनट बाद ढक्कन हटाकर चलाये, घी, नींबू का रस और बारीक कटा हरा धनिया डालकर गरमागरम रवा खिचड़ी सर्व करें।

खिचड़ी शीघ्र पचने वाला खाना है। ज्यादातर खिचड़ी दाल चावल की बनाई जाती है। लेकिन अगर इस खिचड़ी में सब्जियां डालकर बनाएं, तो यह खिचड़ी बड़ी ही जायकेदार हो जाती है और यह पहले से अधिक पौष्टिक भी हो जाती है। बनाना भी बहुत ही आसान। स्वादिष्ट भी और स्वास्थ्यवर्धक भी। तो आइये क्यों न आज तरह-तरह की खिचड़ी बनायें।

खिचड़ी स्वाद भी, सेहत भी

बनाने की विधि

सर्व प्रथम चावल व मूंग मोगर को साफ करके 3-4 पानी से अच्छी तरह धोकर बनाने के आधे घंटे पूर्व तैयार कर लें। अब प्रेशर कुकर में दाल-चावल और आवश्यकतानुसार पानी डालें तथा नमक डालकर कुकर को बंद करके दो सिटी ले लें। कुकर ठंडा होने के पश्चात एक कटोरी में घी गरम करके जीरे का बघार लगाकर ऊपर से कटी हरी मिर्च और मीठा नीम डालकर तैयार खिचड़ी में बघार डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इस तैयार खिचड़ी को मकर संक्रांति के दिन खुद भी खाएं और घर आए मेहमानों को भी खिलाएं।

सामग्री

एक कटोरी सादे चावल, पाव कटोरी मूँग मोगर, 1 बड़ा चम्मच घी, 2-3 हरी मिर्च बारीक कटी, करी पत्ता 4-5, नमक स्वादानुसार,

नमकीन खिचड़ी

किसान सभा के नेतृत्व में दीपका थाना में अपराध दर्ज करने की मांग को लेकर बड़ी संया में पहुंचे भू विस्थापित

प्रत्येक छोटे खातेदार को रोजगार देना होगा और अपने अधिकार के लिए आंदोलन होगा और तेज : प्रशांत

कोरबा। प्रत्येक छोटे खातेदारों के रोजगार की मांग और एसईसीएल के दमन के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे भू विस्थापितों पर सीआईएसएफ द्वारा गेवरा खदान में लाठीचार्ज के दौरान कई भू विस्थापित को आई गंभीर चोट। छत्तीसगढ़ किसान सभा के नेतृत्व में गेवरा क्षेत्र से प्रभावित गांवों के भूविस्थापित रोजगार, बसावट, मुआवजा की मांगों के सकारात्मक समाधान के लिए एसईसीएल के गेवरा खदान में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस और सीआईएसएफ बल उपस्थित था प्रदर्शन शांति पूर्ण चल रहा था और एसईसीएल के अधिकारी वार्ता के लिए बुला रहे थे इसी बीच सीआईएसएफ के अधिकारी ने भू विस्थापितों के साथ गाली गलोच किया और सीआईएसएफ के बल को लाठीचार्ज का आदेश दिया जिसके बाद भू विस्थापितों पर अंधादून लाठीचार्ज हुआ जिसमें जिला सचिव दीपक

साहू, रमेश दास,बिमल दास,गुलाब को गंभीर चोट आई और उन्हें जबरन उठा कर थाने ले जाने लगे सभी भू विस्थापित एकजुट होकर दीपका थाना जाने लगे तो सभी को बीच रास्ते में छोड़ कर सीआईएसएफ वाले भाग गए जिससे माहौल तानवपूर्ण हो गया किसान सभा के नेतृत्व में सभी दीपका थाना पहुंच कर मारपीट और लाठीचार्ज का आदेश देने वाले सीआईएसएफ पर अपराध दर्ज करने की मांग किए जिसके बाद दीपका थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने सभी का मुलायजा करवाकर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। किसान सभा के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रशांत झा ने साफ कहा कि भू विस्थापितों की समस्याओं का निराकरण किए बगैर खदान विस्तार का कार्य नही होने देंगे एसईसीएल के तानाशाह महाप्रबंधक त्यागी के इशारे पर सीआईएसएफ ने भू विस्थापितों पर जो लाठीचार्ज किया है उसका जवाब संघर्ष और आंदोलन को और तेज कर दिया जायेगा।अगर प्रबंधन ने जबरन कोशिश की तो आंदोलन और उग्र होगा। किसान सभा के नेता ने आगे कहा कि एसईसीएल द्वारा विस्थापित होने वाले प्रत्येक छोटे विस्थापित परिवार को भी नियमित रोजगार देने के साथ विस्थापितों को पुनर्वास की सुविधा और नए पुराने के नाम पर मुआवजा में कटौती करना बंद करना होगा इस शांतिपूर्ण आंदोलन के दौरान हुए लाठीचार्ज की निंदा किसान सभा ने की है ।

किसान सभा के जिला सचिव दीपक साहू ने कहा की गेवरा क्षेत्र से प्रभावित भू विस्थापितों को नियमित रोजगार, पुनर्वास, मुआवजा के साथ बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर शांति पूर्ण आंदोलन हो रहा था जिस पर सीआईएसएफ ने जबरन लाठीचार्ज किया बंदूक और लाठीचार्ज की नोंक पर खदान विस्तार नहीं होगा खदान विस्तार करना है तो समस्याओं का समाधान करना होगा। किसान सभा ने कहा कि पूर्व में अधिग्रहित ग्रामों के रोजगार, मुआवजा, बसावट के मामले लंबित है और नए विस्तार तेजी से प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है जिसका किसान सभा विरोध करती है कुछ दिन पूर्व कटघोरा एसडीएम और गेवरा जीएम द्वारा बल प्रयोग कर जबरन खदान विस्तार का प्रयास किया जा रहा था जिसका भारी विरोध हुआ था। एसईसीएल से प्रभावित सभी छोटे खातेदारों को एकजुट कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

किसान सभा ने कहा एसईसीएल से प्रभावित होने वाले प्रत्येक छोटे-बड़े खातेदारों को स्थाई नौकरी,विस्थापित होने वाले ग्रामों के विस्थापितों को बसावट प्रदान किया जाए और प्रभावित सभी गांवों में बुनियादी पेयजल समस्या का तत्काल समाधान की मांग भी की है।किसान सभा ने चेतावनी दी है कि लंबित रोजगार प्रकरणों और छोटे खातेदारों को रोजगार, बसावट की समस्या का समाधान किये बिना खनन कार्य नए विस्तार क्षेत्र में करने का विरोध आगे भी किसान सभा करेगी। किसान सभा ने कहा कि समस्याओं की ओर कई बार प्रबंधन और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया है, लेकिन ग्रामीणों की इन समस्याओं के निराकरण के प्रति प्रबंधन गंभीर नहीं है।

जुए की बाजी बनी खून की होली : साथी ने साथी को चाकू से गोदा, हालत नाजुक

बलरामपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम दलधोवा में जुए की बाजी ने खूनी रूप ले लिया। बीती रात चल रहे जुए के दौरान आपसी विवाद इतना बढ़ा कि एक युवक ने अपने ही साथी पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया,जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, देर रात कुछ युवक ग्राम दलधोवा में ताश की बाजी लगा रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई,जो देखते ही देखते खूनी झड़प में तब्दील हो गई। विवाद के बीच एक युवक ने आवेश में आकर साथी पर लगातार चाकू से वार कर दिए। घायल युवक को तत्काल जिला चिकित्सालय बलरामपुर लाया गया,जहाँ स्थिति गंभीर होने पर उसे अंबिकापुर के निजी अस्पताल रेफर किया गया। फिलहाल उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

'जिले के अधिकांश क्षेत्रों में टमाटर उत्पादन संतोषजनक

जिले में टमाटर की गुणवत्ता एवं आपूर्ति सामान्य

जशपुरनगर। उद्यान विभाग के सहायक संचालक से प्राप्त जानकारी के अनुसार जशपुर जिले में अन्य जिले की अपेक्षा अधिक वर्षा लम्बे अवधि में होने से जिले में लगे टमाटर फसल को आंशिक रूप से 10-15 प्रतिशत नुकसान हुआ है अधिक वर्षा के कारण टमाटर फसल में बैक्टीरियल ब्लाइट नामक रोग लगने से फ्लों में 10-15 प्रतिशत काले धब्बे बने है। उक्त रोग के रोकथाम हेतु कृषकों को फफूंद नाशक दवाई स्ट्रेप्टोमाईसिन, कायेंडाजिम एवं मेनकोजेब का स्प्रे करने हेतु सलाह दी गई है। अब जो नये फल लगेंगे उनमें इस प्रकार की समस्या नहीं होगी।

जशपुर जिले में टमाटर की गुणवत्ता एवं आपूर्ति सामान्य है, टमाटर का विक्रय स्थानीय बाजार के साथ-साथ बाहर के मंडियों में भी विक्रय किया जा रहा है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जशपुर जिले में उत्पादित टमाटर अन्य राज्य यथा पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखण्ड एवं उड़िसा भेजा जा रहा है। जिले में बाहरी टमाटर की निर्भरता नहीं के बराबर है साथ ही जिले के सब्जी व्यपारियों द्वारा प्रत्येक वर्ष जिस राज्य में टमाटर सस्ते दरों पर मिलती है (बैंगलोर आदि) वहां से मंगाकर अन्य राज्यों में जहां मांग ज्यादा रहती है की पूर्ति भी किया जाता है। पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी जिले में उत्पादित टमाटर स्थानीय बाजार में आवक 15 सितम्बर से आना प्रारम्भ हो गया है। चूंकि फसल लगना एवं उत्पादन होना निरंतर प्रक्रिया है। वास्तविक स्थिति यह है कि जिले के अधिकांश क्षेत्रों में टमाटर उत्पादन संतोषजनक एवं विपणन योग्य अवस्था में है।

मनोरा में जिला स्तरीय जैविक महिला किसान मेला का आयोजन, विधायक रायमुनी ने किसानो को किया संबोधित

किसानों को दिया ट्रैक्टर और मत्स्य विभाग ने तीन समूह की महिलाओं को जाल वितरण किया

जशपुरनगर। मनोरा विकासखंड में जैविक खेती मिशन योजनांतर्गत रजत जयंती के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय किसान मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक रायमुनी भगत, सालिक साय जिला पंचायत अध्यक्ष, शांति भगत जिला पंचायत सदस्य, थे। प्रभाकर यादव मंडल अध्यक्ष, श्यामलाल भगत, सुषमा सिंह, जनपद सदस्य शोषण टोप्पो, जनपद पंचायत सीईओ रघुनाथ राम मनोरा और भारी संख्या में ग्रामीण और अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी योजनाओं का लाभ लें-विधायक- किसान मेला में आए किसानों को संबोधित करते हुए जशपुर विधायक रायमुनी भगत ने कहा, विष्णुदेव सरकार आपके हित में काम कर रही है। शासन की योजनाओं का आप जितना अधिक हो सके लाभ लेकर अपने कृषि कार्यो को बढ़ाते हुए आर्थिक लाभ लेने का प्रयास कीजिए। सरकार आपकी मदद के लिए हर वक्त खड़ी है।

जैविक खेती का है भविष्य -इस दौरान जिला

पंचायत अध्यक्ष ने कहा की कृषि हमारा आधार है और जैविक खेती ही इसका भविष्य है। हम सभी को पारंपरिक खेती पद्धतियों के साथ आधुनिक तकनीकों को जोड़ना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी स्वस्थ भूमि और फसलें पा सकें। उन्होंने किसानों से सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने और समूहगत खेती अपनाने का आह्वान किया। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को नवीन तकनीकों और योजनाओं की जानकारी दी।

मत्स्य पालन कर करें आमदनी -मत्स्य विभाग अधिकारी जेके पैकरा ने मत्स्य पालन व्यवसाय के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि व्यवसाय को शुरू करने के लिए, आपको एक उपयुक्त स्थान का चयन करना, टैंक या तालाब बनाना और मछली की उपयुक्त प्रजाति चुनकर उचित पोषण और देखभाल प्रदान करना होगा। यह ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, जो आय बढ़ाने और पोषण प्रदान करने में मदद करता है।

अनुदान का लाभ लें -कृषि अधिकारी एम आर भगत, अनुविभागीय कृषि अधिकारी कवच भगत ने कृषि उपकरणों पर अनुदान और आधुनिक खेती तकनीकों पर जानकारी दी। उन्होंने किसानों को मिट्टी परीक्षण, बीजोपचार प्रक्रिया, बीज उत्पादन कार्यक्रम और फसलों में कीट एवं रोग नियंत्रण के व्यावहारिक उपाय समझाए। कार्यक्रम में किसानों को यह भी बताया गया कि जैविक खेती न केवल मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ उत्पादन के लिए भी आवश्यक है। कृष्णा मोहन के द्वारा साई सदन फूड्स रायपुर, के द्वारा मिलेट्स की किसानों को जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान डुमरबहार केंद्र से कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा जैविक खेती प्राकृतिक खेती के बारे प्रशिक्षण दिया गया।

महिला समूह को मिला जाल -मछली विभाग के द्वारा तीन समूह की महिलाओं को आइस बॉक्स जाल दिया गया। उद्यानिकी विभाग के द्वारा दो किसानों को ट्रैक्टर वितरण किया। पशुपालन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, रेशम विभाग, महिला बाल विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग, और मत्स्य विभाग के सभी अपनी अपनी स्टॉल लगा कर महिला किसानों को जानकारी दी गई। इस दौरान उपसंचालक कृषि विभाग एम आर भगत, अनुविभागीय कृषि अधिकारी कवच भगत, प्रभारी वरिष्ठ कृषि विभाग अधिकारी मनोरा गोविंद राम चौहान, समस्त मनोरा के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्रह्मकुमारी ईश्वरी विद्यालय में दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन

कोरबा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय कोरबा द्वारा आध्यात्मिक उर्जा पार्क गेरवा घाट में दीपावली के शुभ अवसर पर स्नेह मिलन का कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अथिति के रूप में पूर्व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद, बी.के. रुक्मणि, बी.के. बिंदु मौजूद रहे। कार्यक्रम की सुरुआत अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेट कर साथ ही तिलक लगा कर किया गया इस अवसर पर बी. के. बिंदु दीदी ने दीपावली का अध्यात्मिक रहस्य समझाते हुए कहा की दीपावली जिसे प्रकाश का पर्व कहा जाता है वास्तव में आत्मिक जागृति और अंधकार पर विजय का प्रतिक है, दीपावली केवल दीयोंऔर पटाखों की बाहरी सजावट का पर्व नहीं बल्कि आत्मा के पुर्नजागरण का अवसर है। उन्होंने कहा की जैसे एक दीपक स्वयं जलकर दुसरो को प्रकाश देता है, वैसे ही हमे भी अपने ज्ञान और गुणों के दीपक को प्रज्वलित कर समाज में प्रकाश फैलाना चाहिए। जयसिंह ने कहा की दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और नकारात्मकता पर साकारात्मकता की विजय का प्रतिक है। आज के इस युग में जब मनुष्य बाहरी सुखो की खोज में व्यस्त है, तब ब्रह्माकुमारी जैसी संस्था हमे यह याद दिलाती है की सच्ची खुशी अंतर्मन की शांति में है। में इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्था के इस दिव्य प्रयास की सहराना करता हु जो समाज में सद्भाव, नशा मुक्ति, नारी सशक्तिकरण और आत्म-परिवर्तन जैसी मूल्यों को प्रचारित कर रही है 7 राज किशोर प्रसाद जी ने कहा की मैंने देखा है की इस संस्था के माध्यम से समाज के हर वर्ग में आध्यात्मिकता, नैतिकता और आत्म-संयम के दीप जल रहे है। दीदियो के मार्ग दर्शन में यहाँ जो वातावरण निर्मित हुआ है वह वास्तव में आत्मा को शांति और शक्ति प्रदान करता है। मैं इस आयोजन के लिए ब्रह्माकुमारी संस्था को हृदय से बधाई देता हु की इस दिव्य सेवा का प्रकाश निरंतर फैलता रहे। बी. के. रुक्मणि दीदी जी ने कहा की दीप अर्थात आत्मा,जो परमपिता परमात्मा के ज्ञान से प्रकाशित होती है, इस पवित्र पर्व का सच्चा सन्देश यह है की हम अपने आत्मिक स्वरुप को पहचाने, परमात्म से योग लगाकर अपने जीवन में शांति, प्रेम, और पवित्रता के दीप जलाये। दीपावली के अवसर पर कन्याओ द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया साथ ही चैतन्य लक्ष्मी की झांकी भी लगायी गयी। अंत में सभी अतिथियों द्वारा दीप जलाया गया तद्यच्चात सभी अतिथियों को ईश्वरीय सौगात एवं प्रसाद भी दिया गया कायक्रम में बड़ी संख्या में भाई बहने मौजूद रहे और कार्यक्रम का सफल सञ्चालन अधिवक्ता शेखर राम सिंह ने किया।

'इंडियाज गोट टैलेंट सीजन 11' में कोरबा छीसगढ़ की सृष्टि शर्मा का चयन

कोरबा। सोनी टीवी का प्रसिद्ध शो इंडियाज गोट टैलेंट सीजन 11 में छत्तीसगढ़ की म्यूजिकल टीम द रियल सिंफनी एंड एक्वायर (बैंड) द्वारा अपनी प्रस्तुति दी गई। जिसमें कोरबा छत्तीसगढ़ की सृष्टि शर्मा का चयन सेमीफाइनलिस्ट रही। जिसे विगत 19- 10- 25 रविवार को सोनी टीवी द्वारा उक्त शो को दिखाया गया। सृष्टि शर्मा ने छत्तीसगढ़ के 20 कलाकारों के साथ बैंड रियल सिम्फनी और क्वायर के साथ इंडिया गॉट टैलेंट सीजन 11 के मंच पर सिंगर के रूप मेंअपनी प्रस्तुति दी ।जिसमें गोल्डन बजर की प्राप्ति के साथ सेमी फाइनलिस्ट रही। उन्होंने अपनी प्रस्तुति को देते हुए जजों और श्रोताओं का दिल जीता। जिसमें जजों के द्वारा मंच पर गोल्डन बाजर के साथ सेमी फाइनलिस्ट घोषित किया गया और जजों के द्वारा मंच पर कलाकारों को गले लगाते हुए प्रोत्साहित किया। सृष्टि शर्मा, मीनेष शर्मा एवं माता किरण शर्मा की बेटी

है जो कि अपने दो बहनों एवं एक भाई में सबसे बड़ी है। सृष्टि शर्मा के पिता सीसीएल मानिकपुर मैं इलेक्ट्रिकल फोरमैन इंचार्ज के पद पर कार्यरत हैं जो की शहीद भगत सिंह कॉलोनी एस ई सी एल में निवास करते हैं। सृष्टि शर्मा बचपन से ही संगीत में रुचि रखती हैं जिन्होंने डीएव्ही पब्लिक स्कूल एसईसीएल कोरबा से पढ़ाई की हुई है। शुरू से ही संगीत में रुचि रखने वाली सृष्टि शर्मा बचपन में चौथी कक्षा में इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल में भी भाग लेते आई हैं जो कि कोरबा का रियलिटी शो कोरबा सिंगिंग स्टार में भी सेमी फाइनलिस्ट रही है। दि रॉयल सिंफनी एंड क्वायर के बैंड में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग शहरों से कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, रायगढ़, जगदलपुर एवं सारंगढ़ के लगभग 20 कलाकार हैं। जिन्होंने कई महानगरों में जैसे जयपुर, मुंबई, चंडीगढ़ आदि शहरों में भी अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। सृष्टि शर्मा वर्तमान में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में संगीत की विद्यार्थी हैं। उन्होंने बताया कि बड़ी मेहनत के बाद मै इस मुकाम पर पहुंची हूं। मैं सदैव अपने जीवन में एक बहुत बड़ी सिंगर बनना चाहती हूं। सृष्टि शर्मा अपने मां-बाप और दोस्तों की बहुत शुक्रिया करती हैं जिन्होंने हर समय, हर जगह उनका प्रोत्साहन देकर मनोबल बढ़ाया।

रजत जयंती के तहत स्वच्छाग्रहियों का पंजीयन एवं स्वास्थ्य परीक्षण संपन्न

जशपुरनगर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत रजत जयंती वर्ष 2025-26 के आयोजन के तहत जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्वच्छाग्रहियों का पंजीयन एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता कार्य में सक्रिय रूप से संलग्न स्वच्छाग्रहियों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा उन्हें स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान हाथ धुलाई कार्यक्रम का आयोजन कर ग्रामीणों को स्वच्छता के आदतों को अपनाने और बीमारियों से बचाव के महत्व की जानकारी दी गई। उपस्थित स्वच्छाग्राहीयों ने अपने अनुभव साझा किए और ग्रामों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए निरंतर योगदान देने का संकल्प लिया। रजत जयंती

वर्ष के अंतर्गत जिले में ऐसे विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और ग्राम स्तर पर सतत स्वच्छता सुनिश्चित करने के प्रयास निरंतर जारी हैं।

टेपल सिटी शिवरीनारायण में हर्षोल्लास के साथ मनाया दीपावली

नगर के युवकों ने देर रात तक किया आतिशबाजी

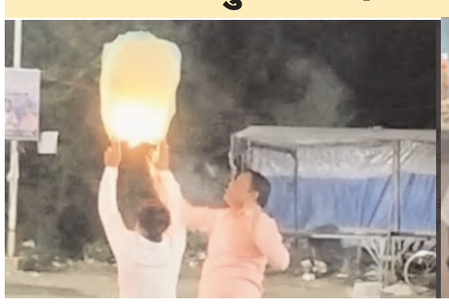

शिवरीनारायण। जांजगीर चाम्पा जिले का प्रमुख व्यापारिक एवं धार्मिक केन्द्र शिवरीनारायण में हर त्यौहार को बड़ी श्रध्दा और उत्साह के साथ मनाया जाता है इस वर्ष भी नगर में दीपावली त्यौहार को हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। लोग अपने घर और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को आकर्षक ढ़ंग से सजाने के लिए बाजार में घुम घुम कर सजावट की समानें रंगोली, फूल माला, मिट्टी के दिए विघुतीय वल्ब, झालर एवं पूजा सामग्री खरीदे और शाम होते ही महिलाओं ने नदी, मंदिर, देवालयों और नगर के प्रमुख चैराहों में दीपदान किए ततपश्चात घर एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को मिट्टी की दीये से रोशन कर मां लक्ष्मी और गणेश जी की विधि विधान पूजा अर्चना कर लोगों को प्रसाद वितरण किया और एक दुसरे को दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी । नगर के युवक युवती और बच्चों ने दिपावली के दिन रात्रि 7 बजे से आतिशबाजी प्रारंभ किया जो देर रात तक अनवरत जारी रहा और रात्रि के लगभग 2 बजे तक आतिशबाजी करते रहे ।

भनसुली में शोक की लहर ,नही रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता समाजसेवी कृष्ण कुमार साहू

पाटन/रानीतराई। ग्राम भनसुली निवासी वरिष्ठ कांग्रेस नेता समाजसेवी एवं पूर्व जनपद सदस्यकृष्ण कुमार साहू (उम्र 77 वर्ष) का आज दिनांक 23 अक्टूबर 2025 को निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। साहू अपने सामाजिक कार्यों और मिलनसार स्वभाव के लिए क्षेत्र में अत्यंत लोकप्रिय थे। उन्होंने जनपद सदस्य के रूप में कार्य करते हुए समाज और क्षेत्र के विकास के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर 11 बजे ग्राम भनसुली में सम्पन्न होगा। वे दुलारी साहू के पति, मुकेश साहू,मनीष साहू के पिताजी एवं अशोक साहू पूर्व उपाध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग कमलेश साहू पूर्व उपसरपंच के बड़े पिताजी थे। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और नागरिकों ने उनके निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की है।

सफाई व स्वच्छता व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को दिए सत निर्देश

छठ पर्व की तैयारियाँ तेज़, महापौर ने किया तालाबों का निरीक्षण

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा छठ पर्व की तैयारियाँ जोरों पर हैं। इसी कड़ी में महापौर अलका बाघमार ने आज शहर के प्रमुख तालाबों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल, पार्षद साजन जोसेफ , मनोज सोनी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, अरुण सिंह, मीना सिंह, विजय जलकारे, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग अमला उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने शीतला तालाब (वार्ड 59), पुजारी तालाब (वार्ड 21), रेवा तालाब (वार्ड 23), बोरसी तालाब (वार्ड 51) एवं शतरूपा शीतला तालाब (वार्ड 29) का दौरा कर वहाँ चल रहे सफाई कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि तालाबों के भीतर जमा कचरा, जलकुंभी, प्लास्टिक और गंदगी को पूरी तरह से हटाया जाए तथा आसपास की जगहों की भी सफाई और समतलीकरण किया जाए। महापौर ने कहा कि छठ पर्व एक आस्था और स्वच्छता से जुड़ा महापर्व है, जिसमें श्रद्धालु सूर्य देव को अर्घ्य देने के लिए तालाबों में पहुंचते हैं। ऐसे में निगम का दायित्व है कि वे नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करें। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि तालाबों के किनारों पर प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, अस्थायी चेंजिंग रूम तथा सुरक्षा इंतज़ाम भी समय पर पूरे किए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। महापौर बाघमार ने कहा छठ पर्व सिर्फ पूजा का पर्व नहीं, बल्कि यह स्वच्छता और अनुशासन का प्रतीक है। हमारी प्राथमिकता है कि श्रद्धालुओं को हर सुविधा मिले और तालाबों की सुंदरता भी बनी रहे। स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता ने बताया कि सफाई दल लगातार कार्य कर रहे हैं। प्रत्येक तालाब क्षेत्र में विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी प्रकार की गंदगी या जलजमाव की स्थिति न बने। महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने शहरवासियों से अपील की छठ पूजा के दौरान तालाबों में प्लास्टिक या पूजा सामग्री न डालें। साफ-सफाई बनाए रखें और निगम के प्रयासों में सहयोग दें, ताकि हमारा शहर स्वच्छ, सुंदर और धार्मिक सौहार्द का उदाहरण बन सके।

'पतराटोली के नारी शक्ति ग्राम संगठन में समूह के दीदियों को दी गई पोषण स्वच्छता और आर्थिक गतिविधियों की जानकारी

जशपुरनगर। जिला प्रशासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु स्वरोजगार, उद्यमिता एवं समूह-आधारित आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। इसके लिए विभिन्न प्रकार के प्रयास किए जा रहे है और शासन की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में शत् कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर विगत दिवस कलस्टर संगठन एवं ग्राम संगठन के संयुक्त तत्वावधान में जनपद पंचायत दुलदुला के ग्राम पंचायत पतराटोली के नारी शक्ति ग्राम संगठन में समूह के दीदियों को पोषण, स्वच्छता, लैगिंग उत्पीड़न के संबंध में जानकारी दी गई और जागरूक किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। इस दौरान स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आजीविका आधारित गतिविधियों की जानकारी भी प्रदान की गई।

गौरा गौरी पूजा अर्चना में शामिल हुए विधायक नपा अध्यक्ष

बेमेतरा। जिला मुख्यालय समेत ग्रामीण अंचलों में गौरा गौरी त्योहार धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू व नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा विधि विधान से गौरा गौरी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया. शहर के बाजार पारा, पिकरी वार्ड, सिंघारी, मोहभट्ठा वार्ड, कुर्मी पारा समेत अन्य वार्डों में धूमधाम से मनाया गया यहां सैकड़ो वार्डवासी गौरी गौरी बारात में शामिल हुए. शहर के मुख्य चौक चौराहा से होते हुए शोभायात्रा का समापन पिकरी तालाब में प्रतिमाओं के विसर्जन से हुआ यात्राओं इस अवसर पर सिंघोरी वार्ड में वार्ड पार्षद विकास तंबोली नीतू कोठारी निखिल साहू युगल देवांगन नरेश साहू समेत सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

शहर में दर्जन भर से अधिक गौरा गौरी बारात निकाली - शहर में करीब दर्जन भर से अधिक गौरा गौरी बारात निकाली गई. जिसमें श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा मे सुसज्जित नजर आए. वहीं महिलाएं पारंपरिक गीतों के साथ जोत जावरा लेकर नाच गा रही थी पुरुष वर्ग ढोल मांदर गड़वा बाजा की थाप पर नाचते गाते हुए गौरा गौरी की पूजा में शामिल हुए. इस पर्व को खासकर आदिवासी व गौड़ समाज समेत हर वर्ग जाति के लोग मानते हैं।

पूजा अर्चना में शामिल होने का सौभाग्य मिला-नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि आदिवासी व गौड़ समाज ने अपनी पुरानी परंपराओं को जीवित रखा है समाज आज भी गौरी गौरा पर्व को बड़े उत्साह पूर्वक धूमधाम से मनाते हैं इस पर्व में भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह को प्रतीकात्मक रूप से मनाया जाता है मिट्टी से बने गौरा गौरी को श्रद्धालु निर्धारित पूजा स्थल पर स्थापित कर विधि विधान से विवाह की रस्में निभाई जाती हैं इस दौरान शहर के कई वार्डों में पूजा अर्चना में शामिल होने का अवसर मिला।

प्री मैट्रिक बालक छात्रावास और एमएलबी कन्या विद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के स्टेट प्लॉन ऑफ एक्शन वर्ष 2025-26 के अनुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जशपुर सत्येन्द्र कुमार साहू के निर्देशन में प्री. मैट्रिक बालक छात्रावास जशपुर एवं एमएलबी कन्या विद्यालय जशपुर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम व शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जशपुर सुमन सिंह द्वारा शिक्षा का अधिकार, संवैधानिक अधिकार एवं कर्तव्य, नशा मुक्ति, बाल श्रम निषेध, मोटर दुर्घटना दावा अधिनियम, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के संबंध में कानूनी जानकारी, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012, समझौते के माध्यम से प्रकरण निराकरण हेतु नेशनल लोक अदालत, मध्यस्थता तथा निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता के संबंध में जानकारी दी गई। व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी जशपुर कु. प्रज्ञा सिंह द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अंतर्गत विधिक सहायता व सलाह हेतु पात्रता, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005, बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 एवं बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कु. चेताली खाण्डेकर, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी जशपुर न्यायालय के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश जशपुर, कु. पूनम, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी जशपुर न्यायालय के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश जशपुर, कु. नेहा तिर्की, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी जशपुर न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश जशपुर, कु. चेताली कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जशपुर के पैरालीगल वालेंटियर निरंतर कुजूर आशामती भगत सहित कुल 180 लाभार्थी उपस्थित रहे।

मुयमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृति योजना शिक्षण के लिए आवेदन 25 अटूबर तक

जशपुरनगर। आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास रायपुर के द्वारा उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के तहत छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिभावान विद्यार्थी जो राष्ट्रीय स्तर के उच्च व्यावसायिक संस्थाओं जैसे आई.आई.टी., एम्स, आई.आई.एम., एन.एल.यू. एम.बी.बी.एस. जैसे संस्थाओं में शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रवेश प्राप्त कर अध्ययन कर रहे हैं उन्हें तात्कालिक सहायता प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों को निर्धारित प्रपत्र एवं दस्तावेज सहित ऑनलाइन आवेदन 25 अक्टूबर 2025 तक आवेदक के गृह जिले के संबंधित सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास जशपुर कार्यालय में जमा किया जाना है। योजना की नियम एवं शर्ते जिला जशपुर की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कलेक्ट्रेट परिसर जशपुर जिला जशपुर से संपर्क किया जा सकता है। निर्धारित तिथि समाप्ति पश्चात आवेदन स्वीकार नही किये जायेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना का लाभ लेने के लिए विद्यार्थी को छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होना होगा। विद्यार्थी को छत्तीसगढ़ राज्य हेतु अधिसूचित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में भामिल होना होगा। विद्यार्थी को उपरोक्त अनुसार उल्लेखित संस्थान में चयन की पात्रता के साथ ही चयनित होने का प्रमाण-पत्र एवं प्रवेश लेने हेतु संस्था द्वारा जारी सूचना पत्र देना होगा।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए पालक की वार्षिक आय रूपये 2.50 लाख से अधिक नही होना चाहिए। शासकीय सेवकों के आश्रित इस योजना के पात्र नही होंगे किन्तु चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के बच्चे इस योजना का लाभ ले सकेंगे।

कुहारी में दीपावली की धूम मां लक्ष्मी की पूजा के बाद गौरा गौरी की बारात में जमकर थिरके लोग

- पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सोटा लेकर निभाई परंपरा

कुम्हारी। नगर में मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना के बाद देर रात से आदिवासी समाज द्वारा गौरा गौरी की बारात निकाली गई जिनमें बड़ी संख्या में नगरवासी जुटे और नाचते गाते हुए शीतला मंदिर तक पहुंचे । वहीं दीपावली के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मंगलवार की सुबह कुम्हारी के पुरानी हटरी पहुंचकर गौरी-गौरा की पूजा करने के बाद प्रदेश वासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख समृद्धि की कामना की। पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी सोटा खाने की परंपरा को निभाते हुए अपने हाथों पर सोटा लिया। कुम्हारी निवासी गिरधारीलाल ध्रुव ने परंपरा का निर्वहन करते हुए सीएम को सोटा लगाया। इनके बाद सीएम ने नगर भ्रमण कर नगरवासियों से मुलाकात किया। भारी संख्या में नगरवासियों के साथ कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने अपने विधायक का स्वागत जोशिले अंदाज में किया। भूपेश बघेल ने बताया कि वह प्रति वर्ष दीपावली पर्व के अवसर पर जंजगिरी व कुम्हारी में गौरा-गौरी की पूजा करने आते है और जैसा कि परंपरा के अनुसार सुख-शांति के लिए सोटा भी लगवाते है जिससें की हमारे पुरखों की चली आ रही परंपरा व संस्कृति को सहेजा जा सके। इस दौरान पूर्व पालिका अध्यक्ष राजेश्वर सोनकर, स्वप्निल उपाध्याय ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत पार्षद लेखराम साहू विकास सोनकर पूर्व पार्षद मनहरण यादव थनेश पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता सहित नगरवासी उपस्थित रहे।

विचक्षण जैन विद्यापीठ कुहारी को एजुकेशन वर्ल्ड ग्रांड ज्यूरी इंडिया स्कूल रैंकिंग अवार्ड 2025-26 में मिला विशेष समान

- कयुनिटी और सोशल इंपै ट कैटेगरी में अखिल भारतीय स्तर पर छठवां और छीसगढ़ स्तर पर मिला प्रथम पुरस्कार

कुम्हारी। विचक्षण जैन विद्यापीठ कुम्हारी ने एजुकेशन वर्ल्ड ग्रांड जूरी इंडिया स्कूल रैंकिंग अवार्ड में कम्युनिटी और सोशल इंपैक्ट की कैटेगरी में अखिल भारतीय स्तर पर छठवां और छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

यह प्रतिष्ठित सम्मान विद्यालय की शिक्षा प्रणाली और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रतिबद्धता को मान्यता देता है। दिल्ली के होटल पुल मैन एरोसिटी में आयोजित एक भव्य समारोह में यह पुरस्कार विद्यालय की ओर से अध्यक्ष राजेश सावनसुखा और कोषाध्यक्ष सुनील गोलछा ने ग्रहण किया। यह अवसर विद्यालय के लिए गर्व का पल था क्योंकि यह सम्मान न केवल विद्यालय के शैक्षिक प्रयासों की सराहना करता है, बल्कि विद्यालय के सामाजिक और सांस्कृतिक योगदान को भी उजागर करता है। विचक्षण जैन विद्यापीठ ने अपनी शिक्षा प्रणाली में नए-नए प्रयोगों के साथ-साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कई कार्यक्रमों की शुरुआत की है। विद्यालय के द्वारा किए गए प्रयासों ने विद्यार्थियों को एक जिम्मेदार और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिक बनने की दिशा में मार्गदर्शन किया है। यह पुरस्कार विद्यालय के निरंतर प्रयासों का परिणाम है साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में किसी भी संस्था को मिलने वाला गौरवपूर्ण सम्मान है इस सम्मान से नगर का भी मान बढ़ा है।

भाई दूज का पर्व हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया, भाई बहन के प्रेम का प्रतिक भाई दूज

तिल्दा नेवरा । रायपुर जिले के तिल्दा ब्लॉक के विभिन्न अंचलों में भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक पर्व भाई दूज बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना की। यह पर्व दीपावली के दो दिन बाद मनाया जाता है और इसका विशेष महत्व भारतीय संस्कृति में माना गया है। सुबह से ही घरों में पूजा की तैयारियाँ शुरू हो गई थीं। बहनों ने प्रातः स्नान कर नए वस्त्र धारण किए और व्रत का संकल्प लेकर अपने भाइयों की आरती उतारी। पूजा में अक्षत, कुमकुम, रोली, पुष्प और दीप का विशेष महत्व रहा। बहनों ने आठदल वाले कमल के फूल पर थाल सजाकर अपने भाइयों को चौकी पर बिठाया और उनके माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी। इसके उपरांत बहनों ने मिठाई खिलाकर भाइयों का मुंह मीठा कराया और उनसे स्नेहपूर्वक आशीर्वाद लिया। भाइयों ने भी अपने बहनों के प्रति प्रेम और सम्मान प्रकट करते हुए उपहार, वस्त्र, गहने तथा नकद राशि भेटस्वरूप दी। इस आदान-प्रदान ने रिश्तों में स्नेह और आत्मीयता की भावना को और भी प्रगाढ़ बना दिया। परिवारों में उत्सव का माहौल बना रहा। बच्चे पटाखे फोड़ते और घर-घर में पारंपरिक व्यंजन बनाकर पर्व की खुशियाँ मनाई गईं। भाई दूज का यह पावन त्योहार भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के अटूट रिश्ते और स्नेह का प्रतीक माना जाता है। यह पर्व हमें आपसी प्रेम, विश्वास और पारिवारिक एकता का संदेश देता है। तिल्दा नेवरा सहित आसपास के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में इस दिन उल्लासपूर्ण वातावरण रहा। महिलाएँ व बालिकाएँ पारंपरिक परिधानों में सजी हुईं दिखीं और हर घर में प्रेम, स्नेह और खुशियों की गूंज सुनाई दी।

आयुत ने कल्याण कालेज ग्राउण्ड में इंडोर स्टेडियम बनाने के दिए निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई जोन 05 अंतर्गत सेक्टर 07 छठ तालाब, कल्याण कालेज ग्राउण्ड, सड़क 09 उद्यान, जयंती स्टेडियम के पीछे तालाब का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। निगम आयुक्त एवं जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे द्वारा सेक्टर 07 छठ तालाब का निरीक्षण किया गया। छठ त्यौहार हेतु तालाब की साफ-सफाई व्यवस्था को देखे और कार्य की प्रशंसा किए। सेक्टर 07 कल्याण कालेज ग्राउण्ड का निरीक्षण किया गया। ग्राउण्ड के भीतर इंडोर स्टेडियम का प्रस्ताव तैयार करने सहायक अभियंता प्रिया करसे को निर्देशित किए हैं। समीपस्थ सड़क 09 स्थित उद्यान की साफ -सफाई का अवलोकन किया गया, उद्यान के भीतर का फव्वारा बंद पड़ा है, जिसका संधारण कर चालू करने निर्देशित किया गया है। छठ को दृष्टिगत करते हुए जयंती स्टेडियम के पीछे बने तालाब की सफाई जल्द से जल्द कराने जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे को निर्देशित किए है। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता श्वेता महेश्वर, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, स्वच्छता निरीक्षक, सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने पीएम केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग को नव विकसित खेल मैदान सौंपा

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत शिक्षा और खेल को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग के खेल मैदान का पुनर्विकास कर उसे विद्यालय प्रशासन को सौंपा। विद्यालय परिसर में 25 अक्टूबर 2025 को आयोजित गरिमामय समारोह में मैदान का औपचारिक उद्घाटन और हस्तांतरण मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री प्रशान्त तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (सीएसआर) श्रीमती अपर्णा चंद्रा, सहायक महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री जवाहर बाजपेयी, उप प्रबंधक (सीएसआर) श्री कमल कान्त वर्मा सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग के प्राचार्य श्री उमाशंकर मिश्रा, उप प्राचार्य श्रीमती पुष्पा बाड़ा, प्रधानाध्यापक डॉ. अजय आर्य, खेल प्रशिक्षक श्री सुरेश कुमार, टीजीटी श्रीमती बिन्दु शिवराजन, कमल सोनी, मीनाक्षी चंद्राकर, अल्तमस सहित अन्य शिक्षकगण, विद्यालयीन स्टाफ एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि श्री प्रशांत तिवारी ने विद्यालय परिसर में अनुशासन, स्वच्छता एवं शिक्षा के सकारात्मक वातावरण की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय आकर उन्हें अपने छात्र जीवन की मधुर यादें स्मरण आ गईं।

स्वत्वाधिकारी , प्रकाशक, एवं मुद्रक ज्वाला प्रसाद अग्रवाल द्वारा असमा पब्लिशर्स प्रा. लि. जयस्तंभ चौक, रायपुर, पिन - 492001 छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं झुलेलाल मंदिर के पीछे, पाटनकर कालोनी, सिंधी कालोनी, दुर्ग पिन- 491001 (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - ज्वाला प्रसाद अग्रवाल । e mail - jwalaexpress@gmail.com , मोबाईल- 9993590905, 700489995